

अइसने समझे जाथे की ए सुघर संदेस ला जऊन ह लिखे हवय, ओह एम लिखे जम्मो घटना ला अपन आंखी ले देखे रहिसि (19:35) अऊ ओह यीसू के मयारू चेला यूहन्ना रहिसि। यूहन्ना ह यीसू ला परमेसर के सदाकाल के बचन के रूप म बखान करथे। ओ बचन ह मनखे बनसि अऊ हमर बीच म डेरा करसि। ए सुघर संदेस ला लिखे के ए उदेस्य अय की एकर पढ़इयामन बसिवास करंय की ओ उद्धार करइया—परमेसर के बेटा ए, जेकर परतगियां परमेसर ह करे रहिसि। ए सुघर संदेस के पहिली भाग म यूहन्ना ह सात ठन चमतकार अऊ चन्हिंहा के बारे म लिखिथे, जऊन ह ए बताथे की यीसू ह ओ उद्धार करइया—परमेसर के बेटा ए, जेकर परतगियां परमेसर ह करे रहिसि। दूसरा भाग म यीसू के सकिछा अऊ ए चमतकारमन के मतलब ला बताय गे हवय। ए भाग म ए बात घलो लिखे गे हवय की कइसने कुछू मनखेमन यीसू ऊपर बसिवास करथें अऊ ओकर पाछू चलथें, जबकी आने मनखेमन ओकर बरिध करथें अऊ ओकर बात ला नई मानंय। यूहन्ना ह ए बात ऊपर जोर देथे की यीसू मसीह ऊपर बसिवास करे के दुवारा ही सदाकाल के जनिगी मलिथे। परमेसर ह ओमन ला सदाकाल के जनिगी देथे, जऊन मन ए बसिवास करथें की यीसू ही रसता, सत अऊ जनिगी ए। ए सुघर संदेस म आत्मिक सचचई मन ला समझाय बर हमर रोज के जनिगी म काम अवइया सधारन चीजमन के उपयोग करे गे हवय, जइसने की पानी, रोटी, अंजोर, चरवाहा अऊ ओकर मेढ़ामन, अंगूर के नार अऊ अंगूर।

ए सुघर संदेस ला खाल्हे लिखे भाग म बांटे जा सकथे।

सुरूआत 1:1-18

यूहन्ना बतसिमा देवइया अऊ यीसू के पहिला चेला 1:19-51

यीसू के सेवा 2-12

यरूसलेम सहर म यीसू के आखिरी समय 13-19

मरे म ले यीसू के जी उठई अऊ अपन चेलामन ला ओकर दरसन 20

गलील पूरदेस म यीसू ह अपन चेलामन ला दरसन देथे 21

बचन ह देहंधारी होईस

1 आदिम बचन ह रहिसि, अऊ ओ बचन ह परमेसर के संग रहिसि, अऊ ओही बचन ह परमेसर रहिसि। **2** ओह आदि ले परमेसर के संग रहिसि।

3 ओकरे जरथि, परमेसर ह संसार के जम्मो चीजमन ला बनाईस, अऊ जऊन कुछू परमेसर ह बनाईस, ओम एको ठन चीज अइसने नई ए, जऊन ह ओकर बगिर बनाय गे रहिसि। **4** ओ बचन म जनिगी रहिसि, अऊ ओ जनिगी ह मनखेमन बर अंजोर लानसि। **5** ओ अंजोर ह अंधियार म चमकथे, अऊ अंधियार ह ओला कभू जीत नई सकय।

6 परमेसर ह एक मनखे ला पठोईस, जेकर नांव यूहन्ना रहिसि। **7** यूहन्ना ह ओ अंजोर के बारे म गवाही दे बर आईस, ताकी जम्मो मनखेमन ओकर गवाही के जरथि ओ अंजोर ऊपर बसिवास करंय। **8** यूहन्ना ह खुद तो अंजोर नई रहिसि, पर ओह अंजोर के बारे म गवाही दे बर आय रहिसि। **9** ओ सही अंजोर जऊन ह जम्मो मनखे ला अंजोर देथे, संसार म अवइया रहिसि।

10 ओह (बचन) संसार म रहिसि, अऊ ओकरे जरथि, परमेसर ह संसार ला बनाईस, पर संसार के मनखेमन ओला नई चन्हिन।

11 ओह अपन खुद के मनखेमन करा आईस, पर ओकर मनखेमन ओला गरहन नई करनि।

12 पर जतेक ज्ञान ओला गरहन करनि अऊ ओकर नांव ऊपर बसिवास करनि, ओमन ला ओह परमेसर के संतान होय के अधिकार दीस। **13** ए संतानमन न तो सुभाविक बंस ले, न देहें के ईछा ले, अऊ न कोनो मनखे के ईछा ले, पर परमेसर के ईछा ले जनमनि।

14 ओ बचन ह मनखे के देहें धारन करसि, अऊ हमर बीच म कुछू समय बर डेरा

करसि। हमन ओकर महिमा देखे हवन, ओ एकलऊता बेटा के महिमा, जऊन ह अनुग्रह अऊ सचर्चई ले भरपूर होके स्वरगीय ददा करा ले आईस।

15यूहन्ना ह ओकर बारे म गवाही देथे। ओह पुकारके कहथि, “एह ओही अय, जेकर बारे म मेंह कहे रहेंव: जऊन ह मोर पाछू आवत हवय, ओह मोर ले बड़े अय, काबरकी ओह मोर जनमे के पहिली ले रहिसि।” 16ओकर अनुग्रह के भरपूरी ले, हमन जम्मो इन आससि के ऊपर आससि पाय हवन। 17काबरकी परमेसर ह कानून ला मूसा के दुवारा दीस; पर अनुग्रह अऊ सचर्चई यीसू मसीह के दुवारा आईस। 18परमेसर ला कोनो कभू नइ देखे हवय, पर सरिपि एकलऊता बेटा, जऊन ह खुदे परमेसर अय, अऊ जऊन ह ददा के कोरा म हवय, ओही ह ओला परगट करे हवय।

यूहन्ना बतसिमा देवइया के गवाही

(मत्ती 3:1-12; मरकुस 1:1-8; लूका 3:1-18)

19यूहन्ना के ए गवाही ए, जब यरूसलेम सहर के यहूदीमन कुछू पुरोहित अऊ लेवी मन ला यूहन्ना करा ए पुछे बर पठोईन की ओह कोन ए? 20त यूहन्ना ह जबाब दे बर आना-कानी नइ करसि, पर साफ-साफ मान लीस अऊ कहसि, “मेंह मसीह नो हंव।”

21तब ओमन यूहन्ना ले पुछनि, “त फेर तेंह कोन अस? का तेंह एलियाह अस?”

ओह कहसि, “नइ।” ओमन पुछनि,

“त फेर का तेंह अगमजानी अस?”

ओह जबाब दीस, “नइ।”

22आखरि म ओमन कहनि, “त फेर तेंह कोन अस? हमन ला बता ताकी जऊन मन हमन ला पठोय हवय, ओमन ला हमन जाके जबाब दे सकन। तेंह अपन बारे म का कहत हवस?”

23यूहन्ना ह जबाब दीस, “जइसने यसायाह अगमजानी ह कहे हवय—‘मेंह नरिजन जगह म एक पुकार करइया के अवाज अंव, परभू खातरि रसता ला सीधा करवा।’”

24कुछू मनखेमन फरीसीमन के दुवारा पठोय गे रहनि। 25ओमन यूहन्ना ले पुछनि, “यदी तेंह मसीह नो हस, न एलियाह अऊ न अगमजानी अस, त फेर तेंह काबर बतसिमा देवत हस?”

26यूहन्ना ह ओमन ला जबाब दीस, “मेंह तो पानी म बतसिमा देवत हंव, पर तुम्हर बीच म एक इन ठाढ़े हवय, जऊन ला तुमन नइ जानव। 27एह ओ अय, जऊन ह मोर पाछू आवत हवय। मेंह ओकर पनही के फीता ला खोले के लइक घलो नो हंव।”

28ए जम्मो बात यरदन नदी के ओ पार बैतनयाह गांव म होईस, जहिं यूहन्ना ह मनखेमन ला बतसिमा देवत रहिसि।

परमेसर के मेढा-पीला—यीसू

29ओकर दूसर दिन यूहन्ना ह यीसू ला अपन कोर्ता आवत देखसि, त कहसि, “देखव, परमेसर के मेढा-पीला, जऊन ह संसार के पाप ला उठा ले जावथे। 30एह ओही ए, जेकर बारे म मेंह कहत रहेंव, ‘एक इन मोर पाछू आवत हवय, जऊन ह मोर ले महान अय, काबरकी ओह मोर जनम के पहिली ले रहिसि।’ 31मेंह खुदे ओला नइ जानत रहेंव, पर मेंह ए खातरि पानी ले बतसिमा देवत आयेंव ताकी ओह इसरायली मनखेमन ऊपर परगट हो जावय।”

32तब यूहन्ना ह ए गवाही दीस, “मेंह देखेंव की पबतिर आतमा ह स्वरग ले एक पंडुकी सही उतरसि अऊ ओकर ऊपर ठहर गीस। 33मेंह ओला नइ जाने रहतिव, पर परमेसर, जऊन ह मोला पानी ले बतसिमा दे बर पठोय हवय, मोला कहसि, ‘तेंह पबतिर आतमा ला उतरत अऊ एक इन मनखे ऊपर ठहरत देखबे, ओहीच ह पबतिर आतमा ले बतसिमा दीही।’ 34मेंह एला देखेंव अऊ मेंह गवाही देवत हंव की एहीच ह परमेसर के बेटा अय।”

यीसू के पहिली चेलामन

35ओकर दूसर दिन, यूहन्ना ह फेर उहां अपन दू इन चेलामन संग ठाढ़े रहय। 36अऊ जब यूहन्ना ह यीसू ला जावत देखसि, त

ओह कहसि, “देखव, एह परमेसर के मेढ़ा-पीला ए।”

37जब ओ दूनों चेलावन यूहन्ना ला ए कहत सुनि, त ओमन यीसू के पाछू हो लीन। 38यीसू ह लहुंटके देखसि की ओमन ओकर पाछू-पाछू आवत हवय, त ओह ओमन ले पुछसि, “तुमन कोन ला खोजत हवव?” ओमन कहनि, “हे गुरू! तेंह कहां रहथिस?”

39यीसू ह ओमन ला कहसि, “मोर संग आवव अऊ देख लेवव।” तब ओमन ओकर संग गीन अऊ ओकर रहे के ठऊर ला देखनि, अऊ ओ दिन भर ओकरे संग बताईन। ओह करीब सांझ के चार बजे के समय रहिसि।

40जऊन दू ज्ञन चेला, यूहन्ना ला कहत सुनि अऊ यीसू के पाछू हो ले रहनि, ओम ले एक ज्ञन समीन पतरस के भाई अंदरियास रहिसि। 41पहिली काम अंदरियास ह ए करसि की ओह अपन भाई समीन ले जाके मलिसि अऊ ओला बताईस, “हमन ला मसीह मलि गे हवय।”

42तब अंदरियास ह समीन ला यीसू करा लानिसि। यीसू ह ओला देखसि अऊ कहसि, “तेंह यूहन्ना के बेटा समीन अस। अब ले तेंह कैफा कहाबे।” (कैफा के मतलब पतरस होथे अऊ एकर मतलब “पथरा” घलो होथे)।

यीसू ह फलिपिपुस अऊ नतनएल ला बलाथे

43दूसर दिन यीसू ह गलील प्रदेश जाय के मन बनाईस। जाय के पहिली ओह फलिपिपुस ले मलिसि अऊ ओला कहसि, “मोर पाछू हो ले।”

44फलिपिपुस ह बैतसैदा सहर के रहइया रहिसि। अंदरियास अऊ पतरस घलो ओहीच सहर के रहइया रहनि। 45फलिपिपुस ह नतनएल ले मलिसि अऊ ओला बताईस, “हमन ला ओह मलि गे हवय, जेकर बारे म मूसा ह कानून के कतिाब म लिखे हवय अऊ जेकर बारे म अगमजानीमन घलो लिखे हवय। ओह यूसुफ के बेटा, नासरत गांव के यीसू अय।”

46नतनएल ह ओला कहसि, “का कोनो

बने चीज नासरत ले आ सकथे?” फलिपिपुस ह कहसि, “तेंह आके खुद देख ले।”

47जब यीसू ह नतनएल ला अपन कोर्ता आवत देखसि, त ओह ओकर बारे म कहसि, “एह एक सच्चा इसरायली अय; एम कोनो छल-कपट नई ए।”

48नतनएल ह यीसू ले पुछसि, “तेंह मोला कइसने जानत हवस?” त यीसू ह ओला जबाब दीस, “एकर पहिली की फलिपिपुस ह तोला बलाईस, जब तेंह अंजीर के रूख के खाल्हे म रहय, त मेंह तोला देखे रहेंव।” 49नतनएल ह कहसि, “हे गुरूजी, तेंह परमेसर के बेटा अस; तेंह इसरायल के राजा अस।”

50यीसू ह कहसि, “का तेंह सरिपि एकरसेता बिसवास करथस, की मेंह तोला ए कहेंव की तोला अंजीर के रूख के खाल्हे म देखे रहेंव। तेंह एकर ले घलो बड़े-बड़े काम देखबे।” 51यीसू ह ए घलो कहसि, “मेंह तुमन ला सच कहथेंव की तुमन स्वरग ला खुला अऊ परमेसर के स्वरगदूतमन ला मनखे के बेटा ऊपर उतरत अऊ चघत देखहू।”

यीसू ह पानी ला अंगूर के मंद बनाथे

2 ओकर तीसरा दिन, गलील प्रदेश के काना नगर म एक बहिव होवत रहय। यीसू के दाई ह उहां रहिसि। 2यीसू अऊ ओकर चेलावन ला घलो बहिव के नेवता मलि रहिसि। 3जब अंगूर के मंद ह सरि गीस, त यीसू के दाई ह ओला कहसि, “ओमन करा अऊ मंद नई ए।”

4त यीसू ह ओला कहसि, “हे नारी, तेंह मोला ए बात काबर बतावत हस? अभी मोर कुछू करे के समय नई आय हवय।” 5तब यीसू के दाई ह सेवकमन ला कहसि, “जऊन कुछू ओह तुमन ला कहथि, वइसने करव।”

6उहां पानी धरे के छै ठन पथरा के मटका माढ़े रहंय ताकी यहूदीमन सुध होय के धारमिक संस्कार ला कर सकय। हर मटका म करीब सत्तर ले लेके एक सौ दस लीटर तक पानी धरय।

7यीसू ह सेवकमन ला कहसि, “मटकामन

म पानी भर देवव।” ओमन मटकामन के मुहूं तक ले पानी भर दीन।

8तब यीसू ह ओमन ला कहसि, “अब तुमन ओम ले कुछ नकारके भोज के मुखिया करा ले जावव,” अऊ ओमन अइसनेच करनि।

9जब भोज के मुखिया ह ओला चखिसि, त पानी ह अब अंगूर के मंद बन गे रहय, अऊ ओह नई जानत रहिसि की ए अंगूर के मंद ह कहां ले आईस, पर ओ सेवक जऊन मन पानी नकारे रहिनि, ओमन एला जानत रहिनि। तब भोज के मुखिया ह दुल्हा ला बलाईस, 10अऊ ओला कहसि, “हर एक इन ह पहली बढ़िया मंद ला देखे, अऊ जब पहुनामन पीके छक जाथें, तब ससुता मंद ला देखे, पर तेंह तो बढ़िया मंद ला अब तक बंचाके रखे हवस।”

11यीसू ह गलील प्रदेश के काना नगर म ए पहली चमतकार करसि। अऊ ओह ए किसिम ले अपन महिमा देखाईस, अऊ ओकर चेलावन ओकर ऊपर बसिवास करनि।

12एकर बाद यीसू, ओकर दाई, भाई अऊ ओकर चेलावन कफरनहूम सहर गीन अऊ उहां कुछू दिन ठहरनि।

यीसू ह मंदिर ला सुध करथे

(मत्ती 21:12-13; मरकुस 11:15-17; लूका

19:45-46)

13जब यहूदीमन के फसह तहियार अवइया रहिसि, त यीसू ह यरूसलेम सहर गीस।

14उहां ओह देखसि की मंदिर के अंगना म, मनखेवन बड़ला, भेड़, अऊ पंडकी चरिई बेचत रहंय अऊ आने मन टेबल करा बईठके रूपिया-पईसा के लेन-देन करत रहंय। 15तब यीसू ह डोरी के एक कोर्रा बनाईस अऊ जम्मो भेड़ अऊ बड़ला मन ला मंदिर के सीमना ले बाहिर खेद दीस अऊ पईसा के लेन-देन करइयामन के सक्कामन ला छतिरि-बतिरि कर दीस अऊ ओमन के टेबलमन ला खपल दीस। 16पंडकी बेचइयामन ला ओह कहसि, “एमन ला इहां ले नकारव। मोर ददा परमेसर के घर ला बजार इन बनावव।”

17तब यीसू के चेलावन सुरता करनि की

परमेसर के बचन म ए लिखे हवय: “तोर घर के धुन ह मोर हरिदय म आगी सही बरथे।”

18तब यहूदीमन यीसू ले पुछनि, “तोला ए जम्मो करे के अधिकार हवय, ए बात ला साबति करे बर तेंह हमन ला का चनिहां देखा सकथस?”

19यीसू ह ओमन ला ए जबाब दीस, “तुमन ए मंदिर ला गरिा देवव, अऊ मेंह एला तीन दिन म फेर ठाढ़ कर दूहूं।”

20यहूदीमन कहनि, “ए मंदिर ला बनाय म छियालीस साल लगे हवय, अऊ का तेंह एला तीन दिन म फेर ठाढ़ कर देबे?” 21पर यीसू ह जऊन मंदिर के बारे म गोठियावत रहिसि ओह ओकर देहें रहिसि। 22जब यीसू ह मरे म ले जी उठसि, तब ओकर चेलावन ला सुरता आईस की यीसू ह ए कहे रहिसि। तब ओमन परमेसर के बचन अऊ यीसू के कहे बात ऊपर बसिवास करनि।

23जब यीसू ह फसह तहियार के समय यरूसलेम म रहिसि, त जऊन चमतकार के काम उहां ओह करत रहिसि, ओला देखके बहुंत मनखेवन ओकर ऊपर बसिवास करनि। 24पर यीसू ह अपन-आप ला ओमन के भरोसा म नई छोड़सि, काबरकी ओह जम्मो इन ला जानत रहिसि। 25ओला एकर जरूरत नई रहिसि की कोनो मनखे ह कोनो मनखे के बारे म गवाही देवय, काबरकी यीसू ह खुद जानत रहिसि की कोन मनखे के मन म का हवय।

यीसू ह नकिदेमुस ला सखिथे

3 नकिदेमुस नांव के एक मनखे रहिसि। ओह फरीसी मत के रहिसि अऊ यहूदी महासभा के एक सदस्य रहिसि। 2ओह रतहिया यीसू करा आईस अऊ कहसि, “हे गुरू, हमन जानथन की तेंह एक गुरू अस अऊ परमेसर करा ले आय हवस। काबरकी जऊन चमतकार के काम तेंह करथस, ओला कोनो नई कर सकंय, जब तक की परमेसर ह ओकर संग नई रहय।”

3यीसू ह ओला ए जबाब दीस, “मेंह तोला सच-सच बतावत हंव; जब तक कोनो मनखे

के नवां जनम नई होवय, तब तक ओह परमेसर के राज ला नई देख सकय।”

4नकिदेमुस ह कहसि, “पर जब एक मनखे ह डोकरा हो गीस, त ओह फेर कइसने जनम ले सकथे? नसिचित रूप ले, ओह दूसर बार अपन दाई के कोख म जाके फेर जनम नई ले सकय।”

5त यीसू ह कहसि, “मेंह तोला सच-सच बतावत हंव की जब तक कोनो मनखे पानी अऊ पबतिर आतमा ले नई जनमे, तब तक ओह परमेसर के राज म नई जा सकय। 6मनखे ह मनखे ला जनम देथे, पर पबतिर आतमा ह नवां आतमा ला जनम देथे। 7तोला मोर ए बात ले अचरज नई होना चाही की तोर नवां जनम होना जरूरी अय। 8हवा ह जेती चाहथे ओती चलथे। तेंह सरिपि एकर आरो भर ला सुनथस, पर तेंह नई बता सकस की एह कहाँ ले आथे या एह कहाँ जाथे। हर ओ मनखे जऊन ह पबतिर आतमा ले जनम लेथे, ओकर संग घलो अइसनेच होथे।”

9नकिदेमुस ह पुछसि, “एह कइसने हो सकथे?”

10यीसू ह जबाब दीस, “तेंह इसरायली मनखेमन के एक गुरू अस, अऊ का तेंह ए बातमन ला नई समझत हस?” 11मेंह तोला सच कहत हंव, जऊन बात ला हमन जानथन, ओकरे बारे म हमन गोठियाथन, अऊ जऊन ला हमन देखे हवन, ओकर गवाही देथन, पर तुमन हमर गवाही ला नई मानव। 12मेंह तुमन ला ए धरती के बातमन ला बताएँव अऊ तुमन बसिवास नई करत हव, पर कहूँ मेंह स्वरग के बातमन ला बताहूँ, त तुमन कइसने बसिवास करहू। 13कभू कोनो स्वरग ला नई गे हवय, सरिपि एक झन के छोड़, जऊन ह स्वरग ले आईस याने की मनखे के बेटा। 14जइसने मूसा ह नरिजन प्रदेस म पीतल के सांप ला ऊपर चघाईस, वइसने मनखे के बेटा बर घलो जरूरी अय की ओला ऊपर चघाय जावय, 15ताकी जऊन कोनो ओकर ऊपर बसिवास करय, ओह परमेसर के संग सदाकाल के जनिगी पावय।

16“काबरकी परमेसर ह संसार ले अइसने मया करसि की ओह अपन एकलऊता बेटा ला दे दीस, ताकी जऊन कोनो ओकर बेटा ऊपर बसिवास करय, ओह नास नई होवय, पर परमेसर के संग सदाकाल के जनिगी पावय। 17परमेसर ह अपन बेटा ला एकर खातिर नई पठोईस की ओह संसार ला दोसी ठहरावय, पर ए खातिर पठोईस की संसार ला ओकर जरथि बचावय। 18जऊन कोनो ओकर ऊपर बसिवास करथे, ओह दोसी नई ठहरय, पर जऊन ह बसिवास नई करय, ओह दोसी ठहर चुकसि, काबरकी ओह परमेसर के एकलऊता बेटा ऊपर बसिवास नई करसि। 19नयाय करइया के फैसला ए अय: अंजोर ह संसार म आईस, पर मनखेमन अंजोर के बदले अंधियार ले मया करनि, काबरकी ओमन के काम खराप रहिनि। 20जऊन ह खराप काम करथे, ओह अंजोर ले घनि करथे अऊ ओह अंजोर म नई आवय, काबरकी ओला डर रहथि की ओकर खराप काममन उजागर हो जाहीं। 21पर जऊन ह सही काम ला करथे, ओह अंजोर म आथे, ताकी ए साफ दिख जावय की ओकर काम ह परमेसर के जरथि करे गे हवय।”

यीसू के बारे म यूहन्ना बतसिमा देवइया के गवाही

22एकर बाद, यीसू अऊ ओकर चेलामन यहूदिया प्रदेस के गंवई इलाका म गीन। उहां ओह ओमन के संग कुछ समय तक रहिसि अऊ मनखेमन ला बतसिमा दीस। 23यूहन्ना ह घलो सलीम के लकठा म एनोन म बतसिमा देवत रहिसि, काबरकी उहां बहुत पानी रहिसि अऊ मनखेमन उहां आके ओकर ले बतसिमा लेवत रहिनि। 24यूहन्ना ह अभी तक जेल म नई डारे गे रहिसि।

25यूहन्ना के कुछ चेलामन के, एक यहूदी संग सुध होय के बारे म बहस होय लगसि। 26ओमन यूहन्ना करा जाके कहनि, “हे गुरूजी, ओ मनखे जऊन ह यरदन नदी के ओ पार तोर संग रहिसि अऊ जेकर बारे म तेंह गवाही दे रहय—देख, ओह घलो बतसिमा

देवत हवय, अऊ जम्मो मनखे ओकर करा जावत हवय।”

27यूहन्ना ह ओमन ला जबाब दीस, “मनखे ह कुछू नई पा सकय, जब तक की परमेसर ह स्वरग ले ओला नई देवय। 28तुमन खुदे मोर गवाह हव की मेंह कहे रहेव, ‘मेंह मसीह नो हंव, पर मेंह ओकर आघू पठोय गे हवंव।’ 29दुल्हन ह दुल्हा के होथे। दुल्हा के संगवारी ह तीर म ठाढ़े रहथि अऊ ओकर सुनथे अऊ जब ओह दुल्हा के अवाज ला सुनथे, त ओह बहुंत खुस होथे। ओही किसिम के खुसी मोर अय, जऊन ह अब पूरा हो गे। 30ए जरूरी अय की ओह बढ़े अऊ मेंह घटंव।

31जऊन ह ऊपर (स्वरग) ले आथे, ओह सबले बड़े होथे। जऊन ह धरती ले आथे, ओह धरती के होथे अऊ ओह धरती के बात गोठियाथे। जऊन ह स्वरग ले आथे, ओह जम्मो के ऊपर होथे। 32ओह ओ बात ला बताथे, जऊन ला ओह देखे अऊ सुने रहथि, पर ओकर गवाही ला कोनो नई मानय। 33जऊन ह ओकर गवाही ला मानथे, ओह ए साबित करथे की परमेसर ह सच्चा ए। 34काबरकी जऊन ला परमेसर ह पठोय हवय, ओह परमेसर के गोठ गोठियाथे। परमेसर ह ओला अपन आतमा ले भर देथे। 35ददा (परमेसर) ह अपन बेटा ले मया करथे अऊ ओह जम्मो चीज ला ओकर हांथ म कर दे हवय। 36जऊन ह बेटा के ऊपर बसिवास करथे, ओकर करा परमेसर के संग सदाकाल के जनिगी हवय, पर जऊन ह बेटा के बात ला नई मानय, ओह ओ सदाकाल के जनिगी के अनुभव कभू नई करही, काबरकी परमेसर के कोरोध ह ओकर ऊपर बने रहथि।”

यीसू ह एक सामरी माईलोगन संग गोठियाथे
4 फरीसीमन सुननि की यीसू ह यूहन्ना ले घलो जादा मनखेमन ला चेला बनाथे अऊ बतसिमा देवत हवय। 2असल म, यीसू ह खुद कोनो ला बतसिमा नई देवत रहिसि, पर ओकर चेलामन बतसिमा देवत रहिनि। 3जब परभू यीसू ला ए बात के पता चलसि,

त ओह यहूदिया प्रदेस ला छोड़के गलील प्रदेस म फेर वापसि चल दीस।

4जब यीसू ह गलील ला वापसि जावत रहिसि, त ओला सामरी प्रदेस ले होके जाय ला पड़सि। 5ओह सामरी प्रदेस के सूखार नांव के एक सहर म आईस। ए सहर ह ओ भुइयां के लकठा म रहिसि, जऊन ला याकूब ह अपन बेटा यूसुफ ला देय रहिसि। 6उहां याकूब के कुवां रहय; यीसू ह रेंगत-रेंगत थक गे रहय, एकरसेती ओह ओ कुवां के लकठा म बईठ गीस। एह करीब मंझन के बेरा रहिसि।

7ओतकीच बेरा, एक सामरी माईलोगन ह ओ कुवां ले पानी भरे बर आईस, त यीसू ह ओला कहसि, “मोला, पीये बर थोरकन पानी दे ओ।” 8(यीसू के चेलामन खाय के चीज बसोय बर सहर गे रहय।)

9ओ सामरी माईलोगन ह ओला कहसि, “यहूदी जात के होके, तेंह मोर ले पानी काबर मांगथस? मेंह एक सामरी माईलोगन अंव।” (यहूदीमन सामरीमन के संग कोनो संबंध नई रखत रहिनि।)

10यीसू ह जबाब दीस, “कहूं तेंह परमेसर के बरदान ला जानते अऊ ए घलो जानते की जऊन ह तोर ले पानी मांगत हवय, ओह कोन ए, त तेंह ओकर ले मांगते अऊ ओह तोला जनिगी के पानी देतसि।”

11ओ माईलोगन ह कहसि, “ए महाराज, पानी भरे बर तो तोर करा कुछू नई ए, अऊ ए कुवां ह गहरि हवय। त फेर तोर करा ओ जनिगी के पानी कहां ले आही? 12का तेंह हमर पुरखा याकूब ले बड़े अस, जऊन ह हमन ला ए कुवां देय हवय। अऊ ओह खुद अऊ ओकर बेटामन अऊ ओकर पसुमन घलो ए कुवां ले पानी पीये हवंय।”

13यीसू ह जबाब दीस, “जऊन ह ए पानी ला पीही, ओह फेर पीयासन होही, 14पर जऊन ह ओ पानी ला पीही, जऊन ला मेंह दूहूँ, ओह फेर कभू पीयासन नई होही। जऊन पानी मेंह ओला दूहूँ, ओह ओम सोता के पानी सहीं होही, जऊन ह हर समय बहते रहथि,

अऊ एह ओला परमेसर के संग सदाकाल के जनिगी देखे।”

15तब ओ माईलोगन ह यीसू ला कहसि, “हे महाराज, मोला ओ पानी दे ताकिमेंह फेर पीयासन झन होवंव अऊ न ही मोला इहां पानी भरे बर फेर आना पड़य।”

16यीसू ह ओला कहसि, “जा, अऊ अपन घरवाला ला इहां बलाके ले आ।”

17ओ माईलोगन ह कहसि, “मोर कोनो घरवाला नई ए।”

यीसू ह कहसि, “तेंह सही कहथस की तोर कोनो घरवाला नई ए। 18काबरकी तेंह पांच घरवाला (मरद) बना चुके हवस, अऊ जऊन मनखे के संग अभी तेंह रहत हवस, ओह घलो तोर घरवाला नो हय। अभी तेंह जऊन बात कहय, ओह बलिकुल सही ए।”

19ओ माईलोगन ह कहसि, “महाराज, मोला अइसने लगथे की तेंह एक अगमजानी अस। 20हमर पुरखामन ए पहाड़ ऊपर परमेसर के अराधना करत रहिनि, पर तुम यहूदीमन ए कहथिव की ओ जगह यरूसलेम म हवय, जहिं हमन ला परमेसर के अराधना करना चाही।”

21यीसू ह ओला कहसि, “हे नारी, मोर ऊपर बसिवास कर। ओ समय ह आही, जब मनखेमन परमेसर ददा के अराधना न तो ए पहाड़ ऊपर करहीं अऊ न ही यरूसलेम म।

22तुम सामरीमन जेकर अराधना करथव, ओला तुमन नई जानव; हम यहूदीमन जेकर अराधना करथन, ओला हमन जानथन, काबरकी उद्धार के संदेस ह यहूदीमन के जरथि आही। 23पर ओ समय ह आवत हवय, अऊ अब आ गे हवय, जब सही भक्ती करइयामन परमेसर ददा के भक्ती आतमा अऊ सचचई ले करहीं। काबरकी परमेसर ददा ह अइसने भक्ती करइयामन ला चाहथे। 24परमेसर ह आतमा अय, अऊ ए जरूरी अय की ओकर भक्ती करइयामन आतमा अऊ सचचई ले ओकर भक्ती करय।”

25तब ओ माईलोगन ह कहसि, “मेंह जानथंव की मसीह (जऊन ला खरिस्त कहे

जाथे) अवइया हवय। जब ओह आही, त हमन ला जम्मो बातमन ला बताही।”

26यीसू ह ओला कहसि, “में जऊन ह तोर ले गोठियावत हंव, ओहीच अंव।”

27ओतकी बेरा यीसू के चेलामन लहुंटके आईन अऊ ए देखके अचरज करे लगनि की यीसू ह एक माईलोगन ले गोठियावत हवय। पर एको झन ओकर ले ए नई पुछनि, “तेंह का चाहथस?” या “तेंह ओकर ले काबर गोठियावत हस?”

28तब ओ माईलोगन ह अपन घघरी ला उहें छोड़ दीस अऊ सहर म वापसि जाके मनखेमन ला कहसि, 29“आवव, अऊ ओ मनखे ला देखव, जऊन ह ओ जम्मो बात बता दीस, जेला मेंह करे हवंव। ओह मसीह हो सकथे।” 30मनखेमन सहर ले निकरके यीसू करा आवन लगनि।

31ए दरमियान यीसू के चेलामन ओकर ले बनिती करनि, “हे गुरुजी, कुछू खा ले।”

32पर यीसू ह ओमन ला कहसि, “मोर करा खाय बर अइसने भोजन हवय, जेकर बारे म तुमन कुछू नई जानत हव।”

33तब चेलामन एक-दूसर ले पुछे लगनि, “का कोनो एकर बर कुछू खाय बर लाय हवय?”

34यीसू ह ओमन ला कहसि, “मोर भोजन ए अय की मेंह अपन पठोइया परमेसर के ईछा ला पूरा करंव अऊ ओ काम ला पूरा करंव, जऊन ला ओह मोला दे हवय। 35का तुमन ए नई कहव, ‘फसल ला पके बर चार महिना बांचे हवय, तब लुवई सुरू होही।’ अपन चारों कोती देखव—मनखेमन के आतमा के खेत ला, जऊन ह लुवई बर तयार हवय। 36ओ मनखे जऊन ह फसल लूथे, ओला ओकर बनी मलिथे अऊ ओह परमेसर के संग सदाकाल के जनिगी बर फर संकेलथे; ताकी बोवइया अऊ लुवइया दूनों मलिके खुसी मनावय। 37एकरसेती ए कहावत ह सही ए, ‘कोनो बोथे, त कोनो आने ओला लूथे।’ 38मेंह तुमन ला उहां फसल लुए बर पठोएव, जहिं तुमन नई बोए रहेव; आने मन

उहां कठोर महिनत करनि, अऊ तुमन ला ओमन के महिनत के फर मलिसि।”

बहुंत सामरी मनखेमन बसिवास करथें

39ओ सहर के बहुंत सामरी मनखेमन यीसू ऊपर बसिवास करनि, काबरका ओ माईलोगन ह ए बताय रहिसि, “ओह मोला ओ जम्मो बात बता दीस, जऊन ला मेंह करे हवव।” 40एकरसेता जब ओ सामरी मनखेमन यीसू करा आईन, त ओमन यीसू ले बनिती करनि, “हमर संग रहि जा।” अऊ यीसू ह उहां दू दिन रहिसि। 41ओकर बचन ला सुनके अऊ बहुंत झन ओकर ऊपर बसिवास करनि।

42ओमन ओ माईलोगन ला कहनि, “अब हमन सरिपि तोर कहे ले ही बसिवास नई करथन, पर हमन खुदे ओकर बात ला सुने हवन, अऊ हमन जान गे हवन कि ओह सही म संसार के उद्धार करइया अय।”

यीसू ह एक अधिकारी के बेटा ला चंगा करथे

43दू दिन के बाद, यीसू ह उहां ले गलील प्रदेस ला चल दीस। 44(काबरका यीसू खुदे कहे रहिसि, “एक अगमजानी ला अपन खुद के देस म आदर-मान नई मलिय।”) 45जब ओह गलील प्रदेस म आईस, त गलील के मनखेमन ओकर सुवागत करनि, काबरका ओमन फसह तहिर के बखत यरूसलेम गे रहिनि अऊ ओमन ओ जम्मो बात ला देखे रहिनि जऊन ला यीसू ह उहां तहिर के बखत करे रहिसि।

46यीसू ह एक बार फेर गलील के काना सहर म गीस, जहिं ओह पानी ला अंगूर के मंद बनाय रहिसि। एक सरकारी अधिकारी रहिसि, जेकर बेटा ह कफरनहूम सहर म बेमार पड़े रहय। 47जब ए अधिकारी सुनसि कि यीसू ह यहूदिया प्रदेस ले गलील म आय हवय, त ओह ओकर करा गीस अऊ बनिती करिसि, “मोर संग कफरनहूम चल अऊ मोर बेटा ला चंगा कर दे; ओह मरइया हवय।”

48यीसू ह ओला कहसि, “जब तक तुमन

चनिहां अऊ चमतकार नई देखहू, तब तक बसिवास नई करव।”

49ओ अधिकारी ह कहसि, “हे महाराज, एकर पहिली किमोर लइका ह मर जावय, तेंह जल्दी चल।”

50यीसू ह ओला कहसि, “तेंह जा। तोर बेटा ह जीयत हवय।” ओ मनखे ह यीसू के बात ला बसिवास करके उहां ले चल दीस। 51जब ओह अपन घर जावत रहिसि, त रसता म ओकर सेवकमन मलिनि अऊ ओला बताईन, “तोर बेटा ह जीयत हवय।” 52ओह ओमन ले पुछसि, “कतेक बेरा ओह बने होईस?” ओमन कहनि, “मंझन के एक बजे ओकर जर ह उतर गीस।”

53तब ओ लइका के ददा ह सुरता करसि कि एह तो ओहीच बेरा ए, जब यीसू ह ओला कहे रहिसि, “तोर बेटा ह जीयत हवय।” तब ओह अऊ ओकर घराना के जम्मो झन यीसू ऊपर बसिवास करनि।

54एह दूसरा अचरज के चनिहां रहिसि जऊन ला यीसू यहूदिया प्रदेस ले आके गलील प्रदेस म करसि।

यीसू ह पानी के कुन्ड करा एक रोगी ला बन करथे

5 एकर बाद, यहूदीमन के एक भोज होईस, जेकर कारन यीसू ह यरूसलेम गीस। 2यरूसलेम म भेड़ फेरका के लकठा म एक ठन पानी के कुन्ड हवय, जऊन ला इबरानी भासा म बेतहसदा कहथिं। ओकर चारों कोत पांच ठन खुला परछी हवय। 3ओम कतको बेमार, अंधरा, खोरवा अऊ लूलवा मनखे मन (पानी के हाले के आसा म) पड़े रह्य। 4एक ठहराय समय म परभू के स्वरगदूत ह खाल्हे उतरय अऊ पानी ला हलाय करय। पानी के हालते ही जऊन बेमरहा ह सबले पहिली ओ कुन्ड म उतरे, ओह चंगा हो जावय, चाहे ओकर कोनो भी बेमारी होवय। 5उहां एक मनखे रहय, जऊन ह अड़तीस साल ले बेमारी म पड़े रहय। 6जब यीसू ह ओला उहां पड़े देखसि अऊ ए जानसि कि ओह बहुंत दिन ले ए दसा म

हवय, त यीसू ह ओकर ले पुछसि, “का तेंह बने होय बर चाहथस?”

7ओ बेमरहा मनखे ह यीसू ला कहसि, “हे परभू! मोर करा इहां कोनो नई ए कि जब पानी ह हलाय जाथे, त मोला कुन्ड म उतारे, अऊ जब मेंह उतरे के कोससि करथंव, त कोनो आने मोर ले आधू कुन्ड म उतर जाथे।”

8तब यीसू ह ओला कहसि, “उठ! अपन खटया ला उठा अऊ रेंग।” 9तुरते ओ मनखे ह बने हो गीस; ओह अपन खटया ला उठाईस अऊ चले-फरि लगसि। जऊन दिन ए काम होईस, ओह यहूदीमन के बसिराम दिन रहिसि। 10एकरसेता यहूदीमन ओ मनखे जऊन ह बने होय रहिसि, ओला कहनि, “आज बसिराम के दिन ए, अऊ आज के दिन खटया ला उठई हमर कानून के बरिद्ध ए।”

11पर ओह ओमन ला ए जबाब दीस, “जऊन ह मोला बने करसि, ओह मोला कहसि, ‘अपन खटया ला उठा अऊ रेंग।’ ”

12ओमन ओकर ले पुछनि, “ओह कोन मनखे ए, जऊन ह तोला कहसि कि अपन खटया उठा अऊ रेंग?”

13पर जऊन मनखे ह बने होय रहिसि, ओह ए नई जानत रहिसि कि ओला कोन ह बने करसि, काबरकि ओ जगह म मनखेमन के भीड़ रहय अऊ यीसू ह उहां ले नकिर गे रहय।

14बाद म, यीसू ओला मंदिर म भेंटसि, त ओला कहसि, “देख, तेंह अब बने हो गे हवस। अब पाप झन करबे, नई तो एकर ले भारी बपित्ती तोर ऊपर पड़ सकथे।”

15ओ मनखे ह जाके यहूदीमन ला बताईस कि जऊन मनखे ह मोला बने करसि, ओह यीसू ए।

बेटा के दुवारा जनिगी

16यीसू ह ए काममन ला यहूदीमन के बसिराम दिन म करत रहिसि, एकरसेता यहूदीमन यीसू ला सताय लगनि। 17यीसू ह ओमन ला कहसि, “मोर ददा ह हमेसा अपन काम करत हवय, अऊ मेंह घलो काम करत

हवं।” 18एकरे कारन यहूदीमन यीसू ला मार डारे के अऊ कतको उपाय करे लगनि, काबरकि यीसू ह न सरिपि बसिराम दिन के कानून ला टोरत रहिसि, पर ओह परमेसर ला अपन खुद के ददा कहकि, अपन-आप ला परमेसर के बरोबर घलो रखत रहिसि।

19यीसू ह ओमन ला कहसि, “मेंह तुमन ला सच कहथंव; बेटा ह अपन-आप ले कुछू नई कर सकय; ओह सरिपि ओही ला करथे, जऊन ला ओह अपन ददा ला करत देखथे। जऊन कुछू ददा ह करथे, बेटा ह घलो वइसने करथे। 20काबरकि ददा ह बेटा ला मया करथे अऊ जऊन कुछू ओह करथे, ओ जम्मो ला अपन बेटा ला देखाथे। एकर ले घलो बड़े काम ओह ओला देखाही ताकि तुमन अचम्भो करव। 21काबरकि जइसने ददा ह मरे मनखे ला जयाथे अऊ ओमन ला जनिगी देथे, वइसनेच बेटा ह घलो जऊन ला चाहथे, ओला जनिगी देथे। 22ददा ह काकरो नयाय नई करय, पर ओह नयाय करे के जम्मो अधिकार अपन बेटा ला सऊं दे हवय, 23ताकि जम्मो मनखे जइसने ददा के आदर करथे, वइसनेच बेटा के घलो आदर करय। जऊन ह बेटा के आदर नई करय, ओह ददा के घलो आदर नई करय, जऊन ह बेटा ला पठाय हवय।

24मेंह तुमन ला सच कहत हंव, जऊन ह मोर बचन ला सुनथे, अऊ मोर पठोइया के ऊपर बसिवास करथे, ओकर करा परमेसर के संग सदाकाल के जनिगी हवय; ओह दंड के भागी नई होवय; ओह मरितू ले पार होके जनिगी पा चुके हवय। 25मेंह तुमन ला सच कहत हंव, ओ समय ह आवत हे, अऊ आ गे हवय, जब मरे मनखेमन परमेसर के बेटा के अवाज ला सुनहीं, अऊ जऊन मन एला सुनहीं, ओमन जनिगी पाहीं। 26काबरकि जइसने ददा ह अपन म जनिगी रखथे; ओही कसिम ले, ओह बेटा ला घलो अधिकार दे हवय कि ओह अपन म जनिगी रखय। 27अऊ मनखे के बेटा होय के कारन, ओला नयाय करे के अधिकार घलो दे हवय।

28ए बात ले अचम्भो झन करव, काबरकि

ओ समय ह आवत हे, जब कबर के जम्मो मरे मनखेमन ओकर अवाज ला सुनहीं 29अऊ बाहरि नकिर आहीं; जऊन मन भलाई करे हवय, ओमन जनिगी पाय बर जी उठहीं, अऊ जऊन मन कुकरम करे हवय, ओमन सजा पाय बर जी उठहीं। 30मेंह अपन-आप ले कुछू नई कर सकव। जइसने परमेसर ह मोला कहथि, वइसने मेंह नयाय करथव, अऊ मोर नयाय ह सही अय, काबरकी मेंह अपन-आप ला खुस करे के कोससि नई करव, पर ओला खुस करथव, जऊन ह मोला पठोय हवय।”

यीसू के बारे म गवाही

31“यदी मेंह अपन बारे म खुद गवाही देथव, त मोर गवाही ह सही नो हय। 32पर एक झन अऊ हवय, जऊन ह मोर बारे म गवाही देथे, अऊ मेंह जानत हंव किमोर बारे म ओकर गवाही ह सही ए।

33तुमन यूहन्ना करा अपन सदेसियामन ला पठोय रहेव अऊ ओह सचर्चई के गवाही दे हवय। 34अइसने बात नो हय की मेंह मनखे के गवाही चाहत हंव; पर मेंह ए बात एकरसेतकिहत हंव की तुम्हर उद्धार होवय। 35यूहन्ना ह एक ठन दीया के सहीं रहिसि, जऊन ह बरसि अऊ अंजोर दीस, अऊ तुमन ला ओकर अंजोर म कुछू समय तक आनंद मनई बने लगसि।

36पर मोर करा यूहन्ना के देय गवाही ले घलो बड़े गवाही हवय। जऊन काम ला ददा ह मोला पूरा करे बर देय हवय, अऊ जऊन ला मेंह करत हवव, ओ काममन खुदे गवाही देथे की ददा ह मोला पठोय हवय। 37ददा जऊन ह मोला पठोय हवय, ओह खुद मोर बारे म गवाही देय हवय। तुमन ओकर अवाज ला कभू नई सुनेव अऊ न ही ओकर रूप ला देखे हवव; 38अऊ न ही ओकर बचन तुम्हर हरिदय म रहथि, काबरकी जऊन ला ओह पठोईस, ओकर ऊपर तुमन बसिवास नई करेव। 39तुमन परमेसर के बचन ला लगन से पढ़थव, काबरकी तुमन सोचथव की ओम तुमन ला परमेसर के संग सदाकाल

के जनिगी मलिही; एह परमेसर के ओही बचन अय, जऊन ह मोर बारे म गवाही देथे। 40तभो ले तुमन जनिगी पाय बर मोर करा नई आय चाहव।

41मेंह मनखेमन ले महिमा पाय बर नई चाहव, 42पर मेंह जानत हंव की तुम्हर हरिदय म परमेसर बर मया नई ए। 43मेंह अपन ददा परमेसर के नांव म आय हवव, अऊ तुमन मोला गरहन नई करव; पर यदी कोनो आने मनखे अपन खुद के नांव म आही, त तुमन ओला गरहन कर लूहू। 44तुमन एक-दूसर ले महिमा पाय बर चाहथव, अऊ ओ महिमा जऊन ह सरिपि परमेसर करा ले आथे, ओला पाय के कोनो कोससि नई करव; तब तुमन कइसने बसिवास कर सकथव? 45ए झन सोचव किमेंह ददा के आधू म तुम्हर ऊपर दोस लगाहूँ। ओह मूसा ए, जऊन ह तुम्हर ऊपर दोस लगाथे, जेकर ऊपर तुमन अपन आसा रखे हवव। 46यदी तुमन मूसा ऊपर बसिवास करे होतेव, त मोर ऊपर घलो बसिवास करेतेव, काबरकी ओह मोर बारे म लिखे हवय। 47जब तुमन मूसा के लिखे बातमन ला बसिवास नई करव, तब तुमन मोर बात ला कइसने बसिवास करहूँ?”

यीसू ह पांच हजार मनखेमन ला खाना खवाथे

(मत्ती 14:13-21; मरकुस 6:30-44; लूका

9:10-17)

6 एकर बाद, यीसू ह गलील के झील के ओ पार गीस। (गलील के झील ला तबिरियास के झील घलो कहथि।) 2अऊ एक बड़े भीड़ ओकर पाछू हो लीस, काबरकी मनखेमन ओ अचरज के चनिहांमन ला देखे रहिन, जऊन ला ओह बेमरहामन ला बने करे के दुवारा देखाय रहिसि। 3तब यीसू ह पहाड़ी ऊपर गीस अऊ अपन चेलामन संग उहां बईठ गीस। 4यहूदीमन के फसह तहियार ह लकठा आवत रहय।

5जब यीसू ह आंखी उठाके देखसि, त मनखेमन के एक बड़े भीड़ ओकर कोत आवत रहय। तब ओह फलिपिपुस ला कहसि, “ए मनखेमन ला खवाय बर हमन

कहां ले रोटी बसिबो?” 6यीसू ह ओला सरिपि परखे बर ए बात ला पुछसि, काबरका ओह पहिली ले जानत रहय कि ओह का करइया रहिसि। 7फलिपिपुस ह जबाब देके कहसि, “यदिदू सौ दीनार के रोटी बसिथन, तभो ले एम ले हर एक मनखे ला मुसकुल से एक-एक कऊरा मलिही।”

8ओकर एक आने चेला, समिोन पतरस के भाई अन्दरियास ह ओला कहसि, 9“इहां एक झन छोकरा हवय, जेकर करा जवांर के पांच रोटी अऊ दू ठन मछरी हवय; पर अतेक झन बर एह कुछू नो हय?”

10यीसू ह कहसि, “मनखेमन ला बईठा देववा।” ओ जगह म अबूबड़ कांदी रहय। तब जम्मो मनखेमन बईठ गीन; उहां करीब पांच हजार आदमी (मरद) मन रहनि। 11तब यीसू ह रोटी ला लीस अऊ परमेसर ला धनबाद देके उहां बईठे मनखेमन ला बांट दीस, अऊ वइसनेच ओह मछरीमन ला घलो बांट दीस। ओमन जतकी चाहनि, ओह ओमन ला ओतकी दीस। 12जब ओ जम्मो झन खाके अघा गीन, त यीसू ह अपन चेलामन ला कहसि, “बांचे-खुचे टुकड़ामन ला संकेल लेवव, ताका कुछू ह बरबाद झन होवय।” 13तब ओमन संकेलनि अऊ बारह ठन टुकना ओ पांच ठन जवांर के रोटी के टुकड़ा ले भर गीस, जऊन ला खवइयामन उहां छोंड़ दे रहनि। 14जब मनखेमन यीसू के ओ अचरज के चन्हां ला देखनि, त कहे लगनि, “एह सही म ओ अगमजानी अय, जऊन ह संसार म अवइया रहिसि।” 15ओमन आके यीसू ला जबरदस्ती राजा बनाय के इरादा करत रहनि; ए बात ला जानके, यीसू ह फेर एके झन पहाड़ ऊपर चल दीस।

यीसू ह पानी ऊपर चलथे

(मत्ती 14:22-33; मरकुस 6:45-52)

16जब सांझ होईस, त यीसू के चेलामन उतरके झील के तीर म गीन, 17अऊ उहां झील के ओ पार कफरनहूम जाय बर, एक ठन डोंगा म बईठ गीन। जब ओमन जावत रहनि, त अंधियार हो गे रहय, अऊ यीसू

ह अभी तक ले ओमन करा नई आय रहय। 18तब एक बड़े आंधी झील के ऊपर चले लगसि, जेकर कारन पानी के बड़े-बड़े लहरा उठसि। 19जब ओमन डोंगा ला खेवत-खेवत पांच-छे किलोमीटर चल दीन, त ओमन यीसू ला अपन डोंगा कोर्ता आवत देखनि; ओह पानी ऊपर चलत रहय, अऊ ओमन डर्रा गीन। 20पर यीसू ह ओमन ला कहसि, “एह में अंव, झन डर्रावव।” 21तब ओमन ओला डोंगा म चघाय बर चाहत रहनि कि डोंगा ह ओ तीर म पहुंच गीस, जहां ओमन जवइया रहनि।

22दूसर दिन, ओ मनखेमन के भीड़, जऊन ह समुंदर के ओ पार तीर म रूके रहय, ए देखसि कि उहां सरिपि एक ठन डोंगा रहिसि, अऊ ओमन जानत रहनि कि यीसू ह अपन चेलामन संग ओ डोंगा म नई गे हवय, पर चेलामन यीसू के बगिर डोंगा म चल दे रहनि। 23तब कुछू आने डोंगामन तबिरियास ले ओ जगह के लकठा म आईन, जहां परभू के धनबाद करे के बाद मनखेमन रोटी खाय रहनि। 24जब भीड़ ह ए देखसि कि उहां न तो यीसू हवय अऊ न ही ओकर चेलामन, त ओमन डोंगामन म चघनि अऊ यीसू के खोज म कफरनहूम गीन।

यीसू ह जनिगी के रोटी

25जब ओ मनखेमन ला यीसू ह समुंदर के ओ पार मलिसि, त ओमन ओकर ले पुछनि, “हे गुरु! तेंह इहां कब आय?”

26यीसू ह ओमन ला कहसि, “मेंह तुमन ला सच कहथंव, तुमन मोला एकरसेर्ता नई खोजत हव कि तुमन अचरज के चन्हां ला देखेव, पर एकरसेर्ता कि तुमन छक के रोटी खाय रहेव। 27ओ भोजन बर महिनत झन करव, जऊन ह नास हो जाथे, पर ओ भोजन बर महिनत करव, जऊन ह परमेसर के संग सदाकाल के जनिगी तक ठहरथे, जऊन ला मनखे के बेटा ह तुमन ला दही। काबरका परमेसर ददा ह ओकर ऊपर अपन मंजूरी के मुहर लगाय हवय।”

28तब ओमन ओकर ले पुछनि, “परमेसर के काम करे बर, हमन का करन?”

29यीसू ह ए जबाब दीस, “परमेसर के काम ए अय की जऊन ला ओह पठोय हवय, ओकर ऊपर बसिवास करव।”

30तब ओमन ओकर ले पुछनि, “तेंह हमन ला का अचरज के चनिहां देखाबे की हमन ओला देखके तोर ऊपर बसिवास करन? तेंह का काम करबे? 31हमर पुरखामन नरिजन जगह म मन्ना खाय रहिनि; जइसने परमेसर के बचन म ए लिखे हवय: ‘ओह ओमन ला खाय बर स्वरग ले रोटी दीसए।’”

32यीसू ह ओमन ला कहसि, “मेंह तुमन ला सच कहथंव कि मूसा ह तुमन ला स्वरग ले ओ रोटी नई देय रहिसि, पर ओह मोर ददा ए, जऊन ह तुमन ला स्वरग ले सचूचई के रोटी देथे। 33काबरकी परमेसर के रोटी ओह अय, जऊन ह स्वरग ले उतरथे अऊ संसार ला जनिगी देथे।”

34ओमन कहनि, “हे महाराज, ओ रोटी हमन ला हमेसा देय कर।”

35तब यीसू ह ओमन ला कहसि, “जनिगी के रोटी मेंह अंव। जऊन ह मोर करा आथे, ओह कभू भूखन नई होवय अऊ जऊन ह मोर ऊपर बसिवास करथे, ओह कभू पीयासन नई होवय। 36पर जइसने मेंह तुमन ला कहेंव की तुमन मोला देख घलो ले हवव, अऊ तभो ले तुमन बसिवास नई करथव। 37जऊन कुछू ददा ह मोला देथे, ओ जम्मो ह मोर करा आही अऊ जऊन कोनो मोर करा आथे, मेंह ओला कभू नई नकिरंव। 38काबरकी मेंह अपन ईछा ला नई, पर अपन पठोइया के ईछा ला पूरा करे बर स्वरग ले उतरे हवंव। 39अऊ मोर पठोइया के ईछा ए अय की जऊन कुछू ओह मोला देय हवय, ओम ले कोनो ला घलो मेंह झन गंवावंव, पर आखरी दिन म ओमन ला जयिावंव। 40काबरकी मोर ददा के ईछा ए अय की जऊन कोनो बेटा ला देखय अऊ ओकर ऊपर बसिवास करय, ओह परमेसर के संग सदाकाल के जनिगी पावय, अऊ मेंह आखरी दिन म ओला जीयाहूं।”

41तब यहूदीमन यीसू ऊपर बड़बड़ाय

लगनि, काबरकी ओह ए कहे रहिसि, “मेंह ओ रोटी अंव, जऊन ह स्वरग ले उतरसि।”

42ओमन कहनि, “का एह यूसुफ के बेटा यीसू नो हय, जेकर दाई-ददा ला हमन जानथन? तब ओह कइसने कह सकथे की ओह स्वरग ले उतरे हवय?”

43यीसू ह ओमन ला ए जबाब दीस, “आपस म बड़बड़ाय बर बंद करव। 44मोर करा कोनो नई आ सकय, जब तक ददा जऊन ह मोला पठोय हवय, ओला मोर तरफ नई खींचय; अऊ मेंह ओला आखरी दिन म जीयाहूं। 45अगमजानीमन के कतिाब म ए लिखे हवय: ‘ओ जम्मो झन परमेसर के दुवारा सखाय जाहीं।’ जऊन कोनो ददा के सुनथे अऊ ओकर ले सखिथे, ओह मोर करा आथे। 46अइसने नो हय की कोनो ददा ला देखे हवय, पर जऊन ह परमेसर के कोर्ता ले आय हवय, सरिपि ओहीच ह ददा ला देखे हवय। 47मेंह तुमन ला सच कहथंव, जऊन ह बसिवास करथे, ओह परमेसर के संग सदाकाल के जनिगी पाथे। 48जनिगी के रोटी मेंह अंव। 49तुमहर पुरखामन नरिजन जगह म मन्ना खाईन, पर ओमन मर गीन। 50पर एह ओ रोटी अय, जऊन ह स्वरग ले उतरे हवय ताकी मनखे ह एला खावय अऊ झन मरय। 51मेंह ओ जीयत रोटी अंव, जऊन ह स्वरग ले उतरसि। यदी कोनो ए रोटी म ले खाही, त ओह सदाकाल तक जीयत रहिही। ओ रोटी जऊन ला मेंह संसार के जनिगी बर दूहूं, ओह मोर मांस ए।”

52एला सुनके यहूदीमन आपस म ए कहकिं बहस करे लगनि, “ए मनखे ह हमन ला अपन मांस खाय बर कइसने दे सकथे?”

53यीसू ह ओमन ला कहसि, “मेंह तुमन ला सच कहथंव, जब तक तुमन मनखे के बेटा के मांस ला नई खावव अऊ ओकर लहू ला नई पीयव, तब तक तुमन म जनिगी नई ए। 54जऊन कोनो मोर मांस खाथे अऊ मोर लहू पीथे ओकर करा परमेसर के संग सदाकाल के जनिगी हवय, अऊ मेंह ओला आखरी दिन म जीयाहूं। 55काबरकी मोर मांस ह सही भोजन अय अऊ मोर लहू ह सही म

पीये के चीज अय। 56जऊन कोनो मोर मांस खाथे अऊ मोर लहू पीथे, ओह मोर म बने रहथि, अऊ मेंह ओम बने रहथिंव। 57जइसने जीयत ददा ह मोला पठोईस अऊ ददा के कारन मेंह जीयत हवंव, ओहीच कसिम ले जऊन ह मोला खाही, ओह मोर कारन जीयत रहिही। 58एह ओ रोटी ए, जऊन ह सूवरग ले उतरसि। हमर पुरखामन मन्ना खाईन अऊ मर गीन, पर जऊन ह ए रोटी ला खाही, ओह सदाकाल तक जीयत रहिही।” 59यीसू ह ए बातमन ला कफरनहूम के एक सभा घर म उपदेस देवत कहसि।

कतको चेलामन यीसू ला छोंड़ देथें

60एला सुनके, यीसू के कतको चेलामन कहनि, “ए उपदेस ला गरहन करई कठनि ए।” 61यीसू ह अपन मन म जान डारसि कि ओकर चेलामन कुडकुड़ावत हवंव; एकरसेती ओह ओमन ला कहसि, “का ए बात ले तुमन ला ठेस लगथे? 62तब तुम्हर का होही, यदा तुमन मनखे के बेटा ला जहिं ओह पहिली रहसि, उहां ऊपर जावत देखहू त? 63पबतिर आतमा ह जनिगी देथे; मांस ले कोनो फायदा नई होवय। जऊन बात मेंह तुमन ला कहे हवंव, ओमन आतमा अऊ जनिगी अंय। 64पर तुमन म कुछू मनखे हवंव, जऊन मन ए बातमन ला बसिवास नई करंय।” काबरका यीसू ह सुरू ले जानत रहसि कि ओम ले कोन बसिवास नई करंय अऊ कोन ह ओला धोखा दहि। 65यीसू ह ए घलो कहसि, “एकरे कारन मेंह तुमन ला कहेंव कि जब तक ददा कोती ले बरदान नई मलिय, तब तक कोनो मोर करा नई आ सकय।”

66एकर बाद, यीसू के कतको चेलामन ओला छोंड़के वापसि चल दीन अऊ ओकर पाछू नई गीन।

67तब यीसू ह बारह चेलामन ले पुछसि, “का तुमन घलो मोला छोंड़के जाय चाहत हव?”

68समोन पतरस ह जबाब देके कहसि, “हे परभू, हमन काकर करा जाबो? परमेसर

के संग सदाकाल के जनिगी के बात तो तोर करा हवय। 69हमन बसिवास करथन अऊ जानत हवन कि तेंह परमेसर के पबतिर बेटा अस।”

70तब यीसू ह ओमन ला कहसि, “का मेंह तुमन बारहों झन ला नई चुने हवंव? तभो ले तुमन ले एक झन सैतान ए?” 71(यीसू ह ए बात समोन इस्करियोती के बेटा यहूदा के बारे म कहसि, काबरका ओ बारहों म ले ओ मनखे रहय, जऊन ह बाद म यीसू ला धोखा देवइया रहसि।)

यीसू ह मंडप (कुंदरा) तहिर बर यरूसलेम सहर जाथे

7 एकर बाद, यीसू ह गलील प्रदेस म एती-ओती गीस। ओह यहूदिया प्रदेस ला नई जाय चाहत रहसि, काबरका यहूदीमन उहां ओला मार डारे बर बाट जोहत रहनि। 2पर जब यहूदीमन के कुंदरा के तहिर ह लकठा आईस, 3त यीसू के भाईमन ओला कहनि, “तेंह ए जगह ला छोंड़के यहूदिया प्रदेस म चले जा, ताका जऊन काम तेंह करथस, ओला तोर चेलामन घलो देखंय। 4काबरका जऊन मनखे ह नांव कमाय चाहथे, ओह गुपत म काम नई करय। जब तेंह ए काम करथस, त अपन-आप ला संसार के मनखेमन ला देखा।” 5अऊ त अऊ ओकर खुद के भाईमन ओकर ऊपर बसिवास नई करत रहनि।

6तब यीसू ह अपन भाईमन ला कहसि, “मोर बर सही समय अभी तक नई आय हवय। तुम्हर बर कोनो घलो समय ह सही ए। 7संसार ह तुम्हर ले बईरता नई कर सकय, पर मोर ले बईरता रखथे, काबरका मेंह एकर बरिध म गवाही देथंव कि एकर काममन खराप अंय। 8तुमन ए तहिर म जावव। मेंह अभी ए तहिर म नई जावंव, काबरका मोर बर अभी तक सही समय नई आय हवय।” 9ए कहकि, ओह गलील प्रदेस म रूक गीस।

10पर जब यीसू के भाईमन तहिर मनाय बर चल दीन, त ओह घलो गीस, पर ओह खुले आम नई जाके गुपत ढंग ले उहां गीस।

11तहियार के बखत यहूदीमन ओला खोजत रहिन अऊ ए पुछत रहिन, “ओ मनखे ह कहाँ हवय?” 12मनखेमन के भीड़ म ओकर बारे म बहुंत कानाफूसी होवत रहय। कुछू मनखेमन कहत रहिन, “ओह बने मनखे ए।” पर कुछू मनखेमन कह्य, “नइं, ओह मनखेमन ला धोखा देखे।” 13पर यहूदीमन के डर के कारन, यीसू के बारे म कोनो मनखे खुले आम कुछू नइं कहत रहिन।

तहियार के बखत यीसू ह उपदेस देखे

14जब तहियार के आधा समय बीत गे, तब यीसू ह मंदिर म जाके उपदेस देवन लगसि। 15यहूदीमन अचम्भो करके कहन लगनि, “बगिर पढ़े ए मनखे ह अतेक जादा कइसने जानथे?”

16यीसू ह ओमन ला जबाब दीस, “जऊन उपदेस मेंह देवत हंव, ओह मोर खुद के नो हय। एह ओकर करा ले आथे, जऊन ह मोला पठोय हवय। 17यदि कोनो परमेसर के ईछा म चले बर चाहथे, त ओह जान डारही की मोर उपदेस ह परमेसर कीर्ता ले आथे या फेर मेंह अपन खुद के अधिकार ले गोठियावत हंव। 18जऊन ह अपन खुद के अधिकार ले गोठियाथे, ओह अपन खुद के महिमा चाहथे, पर जऊन ह अपन पठोइया के महिमा चाहथे, ओह सच्चा मनखे ए, अऊ ओम कुछू भी गलत बात नइं ए। 19का मूसा ह तुमन ला कानून नइं देय हवय? तभो ले तुमन ले एको झन घलो ओ कानून ला नइं मानय। तुमन काबर मोला मार डारे के कोससि करत हव?”

20भीड़ के मनखेमन ओला जबाब दीन, “तोर म परेत आतमा हवय। कोन ह तोला मार डारे के कोससि करथे?” 21यीसू ह ओमन ला कहसि, “मेंह एक ठन अचरज के काम करेंव, अऊ तुमन जम्मो झन अचम्भो करत हव। 22मूसा ह तुमन ला खतना करे के हुकूम दीस, (असल म एह मूसा करा ले नइं आईस, पर एह पुरखामन ले चले आवत हवय), अऊ तुमन बसिराम के दिन म घलो लइका के खतना करथव। 23यदि बसिराम

के दिन म एक लइका के खतना करे जा सकथे, अऊ मूसा के कानून ह नइं टूटय, त तुमन मोर ऊपर काबर नराज होवत हव की मेंह बसिराम के दिन म एक मनखे ला बेमारी ले पूरा-पूरी ठीक कर दे हवंव? 24मुहू देखके नियाय झन करव। पर सही-सही नियाय करव।”

का यीसू ह मसीह अय?

25तब यरूसलेम के कुछू मनखेमन कहन लगनि, “का एह ओ मनखे नो हय, जऊन ला मनखेमन मार डारे बर खोजत हवंव? 26ओह इहां हवय अऊ खुल्लम-खुल्ला गोठियावत हवय, अऊ ओमन ओला कुछू नइं कहत हवंव। हो सकथे की अधिकारीमन सही म जान गे हवंव की एहीच ह मसीह अय? 27पर हमन तो जानथन की ए मनखे ह कहाँ के अय; जब मसीह ह आही, त कोनो ला पता नइं चलही की ओह कहाँ के अय।”

28तब यीसू ह मंदिर म उपदेस देवत पुकारके कहसि, “तुमन मोला जानथव अऊ तुमन ए घलो जानथव की मेंह कहाँ के अंव। मेंह इहां खुद नइं आय हवंव, पर जऊन ह मोला पठोय हवय, ओह सच्चा ए। तुमन ओला नइं जानव। 29पर मेंह ओला जानथंव काबरकी मेंह ओकर करा ले आय हवंव अऊ ओह मोला पठोय हवय।”

30तब ओमन ओला पकड़े के कोससि करनि, पर कोनो ओकर ऊपर हांथ नइं लगाईन, काबरकी ओकर समय ह अब तक नइं आय रहिसि। 31तभो ले भीड़ म ले बहुंत झन ओकर ऊपर बसिवास करनि। ओमन कहनि, “जब मसीह ह आही, त का ओह ए मनखे ले बड़के अचरज के चनिहां देखाही?”

32फरीसीमन मनखेमन ला यीसू के बारे म अइसने कानाफूसी करत सुनि, त मुखिया पुरोहित अऊ फरीसी मन यीसू ला पकड़े बर मंदिर के सिपाहीमन ला पठोईन।

33तब यीसू ह कहसि, “मेंह तुम्हर संग सरिपि थोरकन समय तक हवंव, तब मेंह ओकर करा चले जाहूँ, जऊन ह मोला पठोय हवय। 34तुमन मोला खोजहूँ, पर नइं पाहूँ,

अऊ जहिं मेंह हवंव, उहां तुमन नई आ सकव।”

35यहूदीमन एक-दूसर ले कहनि, “ए मनखे ह कहां जाही किहमन ओला नई पाबो? का एह हमर ओ मनखेमन करा जाही, जऊन मन यूनानीमन के बीच म ततिरि-बतिरि होके रहथिं, अऊ यूनानीमन ला घलो उपदेस दहिं? 36ओकर ए कहे के का मतलब ए, ‘तुमन मोला खोजहू, पर मोला नई पाहू, अऊ जहिं मेंह हवंव, उहां तुमन नई आ सकव?’”

37तहार के आखरी दिन जऊन ह सबले जादा महत्व के दिन रहिसि, यीसू ह ठाढ़ होईस अऊ चचियाके कहसि, “कहू कोनो पीयासन हवय, त ओह मोर करा आके पीयय। 38जऊन ह मोर ऊपर बसिवास करथे, परमेसर के बचन के मुताबकि ओकर हरिदय ले जीयत पानी के झरना बहे लगही।” 39यीसू ह एला ओ पबतिर आतमा के बारे म कहसि, जऊन ह यीसू ऊपर बसिवास करइयामन ला बाद म मलिने वाला रहिसि। ओ समय तक पबतिर आतमा ह नई दयि गे रहिसि, काबरका यीसू ह अब तक अपन महिमा म नई पहुंचे रहिसि।

40ओकर ए बात ला सुनके कुछू मनखेमन कहनि, “सही म ए मनखे ह ओ अगमजानी ए, जऊन ह अवइया रहिसि।”

41आने मन कहनि, “एह मसीह अय।” पर कुछू अऊ मनखेमन कहनि, “गलील प्रदेस ले मसीह ह कइसने आ सकथे? 42का परमेसर के बचन म ए नई लिखे हवय कि मसीह ह दाऊद के बंस अऊ बैतलहम गांव ले आही, जहिं दाऊद रहत रहिसि?” 43ए कसिम ले यीसू के कारन मनखेमन म मतभेद हो गीस। 44ओम ले कुछू झन ओला पकड़े चाहत रहनि, पर कोनो ओकर ऊपर हांथ नई डारनि।

यहूदी अगुवामन के अबसिवास

45आखरि म, मंदरि के सपिाहीमन मुखिया पुरोहित अऊ फरीसीमन करा वापसि चल दीन। तब ओमन मंदरि के सपिाहीमन ले

पुछनि, “तुमन यीसू ला पकड़के काबर नई लानेव?”

46सपिाहीमन जबाब दीन, “जऊन कसिम ले ए मनखे ह गोठियाथे, वइसने आज तक कोनो नई गोठियाय हवय।”

47फरीसीमन ओमन ला कहनि, “का ओह तुमन ला घलो भरमा दीस? 48का अधिकारी या फरीसीमन ले कोनो ओकर ऊपर बसिवास करे हवय? 49नई न! पर ए भीड़ के मनखे जऊन मन कानून के बारे म कुछू नई जानय, ओमन सरापति अय।”

50नकिदुमुस जऊन ह यीसू करा पहिली गे रहिसि अऊ अगुवामन ले एक झन रहिसि, ओमन ला कहसि, 51“हमर कानून के मुताबकि, हमन कोनो मनखे ला दोसी नई ठहरा सकन, जब तक कि पहिली ओकर बात ला नई सुन लेवन अऊ ए नई जान लेवन कि ओह का करे हवय?”

52ओमन कहनि, “का तेंह घलो गलील प्रदेस के अस? परमेसर के बचन म खोज, त तेंह पाबे कि गलील प्रदेस ले कोनो अगमजानी नई आवय।”

53तब ओमन जम्मो झन अपन-अपन घर चल दीन।

माईलोगन ह बेभचारि म पकड़े जाथे

8 पर यीसू ह जैतून पहाड़ ऊपर गीस। 2अऊ बड़े बहिनियां ओह फेर मंदरि म आईस। उहां जम्मो मनखेमन ओकर चारों खूंट जुर गीन; अऊ ओह बईठके ओमन ला उपदेस देवन लगसि। 3तब कानून के गुरू अऊ फरीसीमन एक माईलोगन ला लाननि, जऊन ह छिनारी म पकड़े गे रहिसि। ओमन ओला ओ जम्मो झन के आघू म ठाढ़ करनि अऊ यीसू ला कहनि, 4“हे गुरू, ए माईलोगन ह छिनारी करत पकड़े गे हवय। 5हमर कानून म, मूसा ह हमन ला हुकूम दे हवय कि अइसने माईलोगन ला पथरा फटकि-फटकि के मार डारव। पर तेंह एकर बारे म का कहथिस?” 6ओमन ए सवाल यीसू ला फंसाय खातरि पुछत रहनि, ताकि ओमन ला ओकर ऊपर दोस लगाय बर एक बहाना मलि जावय। पर

यीसू ह झुकसि अऊ अपन अंगरी ले भुइयां ऊपर लिखे लगसि। 7जब ओमन ओकर ले बार-बार पुछे लगनि, त ओह सीधा ठाढ़ होईस अऊ ओमन ला कहसि, “यदितुमन के बीच म कोनो बगिर पाप के हवय, त ओही ह ओला पहिली पथरा मारय।” 8अऊ ओह फेर झुकके अपन अंगरी ले भुइयां ऊपर लिखे लगसि।

9जब ओमन एला सुननि, त जम्मो झन बड़े ले लेके छोटे तक, एक-एक करके उहां ले चल दीन। सरिपि यीसू अऊ ओ माईलोगन जऊन ह ओकर आधू म ठाढ़े रहय, उहां रहि गीन। 10तब यीसू ह सीधा ठाढ़ होईस अऊ ओ माईलोगन ले पुछसि, “हे नारी, ओमन कहां गीन? का कोनो तोला दंड नई दीन?”

11ओह कहसि, “हे परभू, कोनो नई।” तब यीसू ह कहसि, “मेंह घलो तोला दंड नई देवंव। जा अऊ फेर पाप झन करबे।”

यीसू ह संसार के अंजोर ए

12यीसू ह मनखेमन ले फेर कहसि, “मेंह संसार के अंजोर अंव। जऊन कोनो मोर पाछू आही, ओह अंधियार म कभू नई चलही, पर ओह जनिगी के अंजोर ला पाही।”

13फरीसीमन ओला कहनि, “तेंह अपन गवाही खुद देखस; तोर गवाही सच नो हय।”

14यीसू ह जबाब दीस, “मेंह अपन गवाही खुद देखंव, तभो ले मोर गवाही सच ए काबरका मेंह जानथंव कि मेंह कहां ले आय हवंव अऊ मेंह कहां जावत हंव। पर तुमन नई जानव कि मेंह कहां ले आय हवंव अऊ मेंह कहां जावत हंव। 15तुमन अपन मनखे बुद्धी के मुताबकि नियाय करथव; मेंह खुद काकरो नियाय नई करंव। 16अऊ कहूं मेंह नियाय करंव घलो, त मोर नियाय ह सही ए, काबरका मेंह एके झन नियाय नई करंव, पर ददा ह मोर संग रहथि, जऊन ह मोला पठोय हवय। 17तुम्हर खुद के कानून म ए बात लिखे हवय कि दू झन के गवाही ह सच माने जाथे। 18मेंह अपन गवाही खुद देखंव, अऊ मोर आने गवाह ददा ए, जऊन ह मोला पठोय हवय।”

19तब ओमन ओकर ले पुछनि, “तोर ददा कहां हवय?” यीसू ह जबाब देके कहसि, “तुमन न तो मोला जानथव अऊ न ही मोर ददा ला। यदा तुमन मोला जानतेव, त मोर ददा ला घलो जान जातेव।” 20यीसू ह ए बात मंदिर म उपदेस देवत समय उहां कहसि जहिं दान के संदूकमन रखे रहंय। तभो ले ओला कोनो नई पकड़नि, काबरका ओकर समय अब तक नई आय रहिसि।

21यीसू ह फेर ओमन ला कहसि, “मेंह जावत हंव। तुमन मोला खोजहू अऊ अपन पाप म मरहू। जहिं मेंह जावत हंव, उहां तुमन नई आ सकव।”

22तब यहूदीमन कहनि, “का ओह अपन-आप ला मार डारही, काबरका ओह कहत हवय, जहिं मेंह जावत हंव, उहां तुमन नई आ सकव?”

23यीसू ह ओमन ला कहसि, “तुमन खाल्हे के अव, अऊ मेंह ऊपर के अंव। तुमन ए संसार के अव, पर मेंह ए संसार के नो हंव। 24एकरसेती मेंह तुमन ला कहेंव कि तुमन अपन पाप म मरहू; यदा तुमन बसिवास नई करव कि मेंह ओही (मसीह) अंव, त तुमन सही म अपन पाप म मरहू।”

25ओमन ओकर ले पुछनि, “तेंह कोन अस?” यीसू ह जबाब दीस, “मेंह ओही अंव, जऊन ला सुरू ले मेंह तुमन ला कहत आय हवंव। 26मोला तुम्हर बारे म बहुंत बात कहना हे, अऊ तुम्हर फैसला करना हे; पर जऊन ह मोला पठोय हवय, ओह सच्चा ए, अऊ जऊन कुछू मेंह ओकर ले सुने हवंव, ओहीच बात मेंह संसार ला बताथंव।”

27पर ओमन नई समझनि कि यीसू ह ओमन ला अपन ददा परमेसर के बारे म कहत रहिसि। 28तब यीसू ह कहसि, “जब तुमन मनखे के बेटा ला ऊपर चघाहू, तभे तुमन जानहू कि मेंह कोन अंव, अऊ मेंह अपन-आप ले कुछू नई करंव, पर जइसने ददा ह मोला सिखीय हवय, ओहीच बात गोठियाथंव। 29जऊन ह मोला पठोय हवय, ओह मोर संग हवय, ओह मोला अकेला नई छोड़ दे हवय, काबरका मेंह हमेसा ओही

काम करथंव, जेकर ले ओह खुस होथे।”
30जब ओह ए बात कहसि, त बहुत मनखेमन ओकर ऊपर बसिवास करनि।

अब्राहम के संतान

31जऊन यहूदीमन यीसू ऊपर बसिवास करे रहिनि, ओमन ला यीसू ह कहसि, “यदी तुमन मोर उपदेस के मुताबकि चलथव, त तुमन सही म मोर चेला अव। **32**तब तुमन सत ला जानहू अऊ सत ह तुमन ला सुतंतर करही।”

33ओमन ओला जबाब दीन, “हमन तो अब्राहम के संतान अन अऊ कभू काकरो गुलाम नई रहें। तोर ए कहे के का मतलब ए कि हमन सुतंतर हो जाबो?”

34यीसू ह ओमन ला कहसि, “मेंह तुमन ला सच कहथंव कि जऊन ह पाप करथे, ओह पाप के गुलाम ए। **35**गुलाम ह हमेसा घर म नई रहय, पर बेटा ह हमेसा घर म रहथि। **36**एकरसेती यदी बेटा ह तुमन ला सुतंतर करही, त सही म तुमन सुतंतर हो जाहू। **37**मेंह जानथंव कि तुमन अब्राहम के संतान अव। तभो ले तुमन मोला मार डारे चाहत हव, काबरका मोर बचन बर तुम्हर हरिदय म कोनो जगह नई ए। **38**मेंह तुमन ला ओहीच बात कहत हंव, जऊन ला मेंह अपन ददा के इहां देखे हवंव अऊ तुमन ओही करथव, जऊन ला तुमन अपन ददा ले सुने हवव।”

39ओमन यीसू ला कहनि, “हमर ददा (पुरखा) तो अब्राहम ए।” तब यीसू ह कहसि, “यदी तुमन अब्राहम के संतान होतेव, त तुमन अब्राहम के सही काम घलो करतेव। **40**पर अब तुमन मोर सही मनखे ला मार डारे चाहथव, जऊन ह परमेसर ले सुने सच बात तुमन ला बता दीस। अब्राहम ह अइसने नई करसि। **41**तुमन ओ काम करत हव, जऊन ला तुम्हर ददा करथे।” ओमन ओला कहनि, “हमन बेभचार ले नई जनमे हवन। हमर सरिपि एके झन ददा हवय, अऊ ओह खुद परमेसर ए।”

सैतान के संतान

42यीसू ह ओमन ला कहसि, “यदी

परमेसर ह तुम्हर ददा होतसि, त तुमन मोर ले मया करतेव, काबरका मेंह परमेसर म ले आय हवंव अऊ अब इहां हवंव। मेंह अपन खुद होके नई आय हवंव, पर ओही ह मोला पठोय हवय। **43**तुमन मोर बात ला काबर नई समझव? एकरसेती कि जऊन बात मेंह कहथंव, ओला सह नई सकव। **44**तुमन तो अपन ददा सैतान के अव, अऊ तुमन अपन ददा के ईछा ला पूरा करे चाहथव। ओह तो सुरूच ले हतियारा रहिसि। ओह सच के रसता म नई चलसि, काबरका ओम सच हवेच नई। जब ओह लबारी गोठियाथे, त ओह अपन आदत के मुताबकि गोठियाथे, काबरका ओह लबरा ए अऊ लबारी के ददा ए। **45**पर मेंह सच कहथिव, तुमन मोर ऊपर बसिवास नई करव। **46**का तुमन ले कोनो मोला पापी ठहरा सकथे? यदी मेंह सच कहत हंव, तब तुमन मोर ऊपर काबर बसिवास नई करव? **47**जऊन ह परमेसर के अय, ओह परमेसर के बात ला सुनथे। तुमन परमेसर के नो हव, एकरसेती तुमन ओकर बात ला नई सुनव।”

यीसू अऊ अब्राहम

48यहूदीमन ओला जबाब दीन, “का हमन सही नई कहथिन कि तेंह एक सामरी मनखे अस, अऊ तोर म परेत आतमा हवय।”

49यीसू ह कहसि, “मोर म परेत आतमा नई ए; पर मेंह अपन ददा के आदर करथंव, अऊ तुमन मोर नरिादर करथव। **50**मेंह अपन महिमा नई चाहंव, पर परमेसर ह मोर महिमा करे चाहथे अऊ ओही ह नियाय करथे। **51**मेंह तुमन ला सच कहथंव, यदी कोनो मोर बात ला मानही, त ओह कभू नई मरही।”

52तब यहूदीमन ओला कहनि, “अब हमन सही म जान डारेन कि तोर म परेत आतमा हवय। अब्राहम ह मर गीस अऊ अगमजानीमन घलो मर गीन; पर तेंह कहथिस कि यदी कोनो तोर बात ला मानही, त ओह कभू नई मरय। **53**का तेंह हमर पुरखा अब्राहम ले बड़े अस? ओह मर गीस, अऊ अगमजानीमन घलो मर गीन। तेंह अपन-आप ला का समझथस?”

54यीसू ह जबाब दीस, “यदी मेंह अपन-आप के महिमा करंव, त मोर महिमा के कुछ मतलब नो हय। पर मोर ददा ह मोर महिमा करथे, जऊन ला तुमन अपन परमेसर कहथिव। 55तुमन ओला नई जानव, पर मेंह ओला जानथंव। यदी मेंह कहंव कि मेंह ओला नई जानव, त मेंह घलो तुम्हर सहीं लबरा ठहरहूं, पर मेंह ओला जानथंव अऊ ओकर बात ला मानथंव। 56तुम्हर पुरखा अब्राहम ह मोर दिन ला देखे के आसा म आनंद मनाईस, अऊ ओह एला देखसि अऊ खुस होईस।”

57यहूदीमन ओला कहनि, “तेंह अभी तो पचास साल के घलो नई होय हवस, अऊ तेंह कइसने कह सकथस कि तेंह अब्राहम ला देखे हवस।”

58यीसू ह ओमन ला कहसि, “मेंह तुमन ला सच कहथंव, अब्राहम के जनम होय के पहिली ले मेंह हंव।” 59एला सुनके, ओमन यीसू ला मार डारे बर पथरा उठाईन; पर यीसू ह लुका के मंदिर ले नकिर गीस।

यीसू ह जनम के अंधरा ला बने करथे

9 जब यीसू ह जावत रहिसि, त रसता म ओह एक जनम के अंधरा मनखे ला देखसि। 2तब ओकर चेलासन ओकर ले पुछनि, “हे गुरू, कोन ह पाप करे रहिसि कि ए मनखे ह अंधरा जनमसि, खुद ए मनखे या फेर ओकर दाई-ददा?”

3यीसू ह कहसि, “एह एकर या एकर दाई-ददा के पाप के कारन नो हय; पर एह एकरसेता होईस कि परमेसर के काम ह एकर जनिगी म परगट होवय। 4जऊन ह मोला पठोय हवय, ओकर काम ला दिन के रहति-रहत हमन ला करना जरूरी ए। रात आवत हे, जब कोनो मनखे काम नई कर सकयं। 5जब तक मेंह संसार म हंव, तब तक मेंह संसार के अंजोर अंव।”

6ए कहकिे यीसू ह भुइयां म थूकसि, अऊ थूक ले माटी ला सानसि अऊ ओला ओ अंधरा के आंखीमन म लगाईस, 7अऊ ओला कहसि, “जा अऊ सीलोह (एकर

मतलब होथे—पठोय गेय) के कुन्ड म धो ले।” तब ओ मनखे ह कुन्ड म जाके अपन आंखीमन ला धोईस, अऊ ओह देखे लगसि, अऊ देखत वापसि आईस।

8ओकर पड़ोसीमन अऊ जऊन मन ओला पहिली भीख मांगत देखे रहनि, ओमन कहनि, “का एह ओहीच मनखे नो हय, जऊन ह बईठके भीख मांगे करत रहिसि?” 9कुछ मनखेमन कहनि, “हव, एह ओहीच अय।”

आने मन कहनि, “नई, ओह सरिपि ओकर सहीं दखिथे।”

पर ओ मनखे ह कहसि, “मेंह ओहीच मनखे अंव।”

10ओमन ओकर ले पुछनि, “तब तोर आंखीमन कइसने ठीक हो गीन?”

11ओह जबाब दीस, “ओ मनखे जऊन ला यीसू कहथिं, ओह थोरकन माटी ला सानसि अऊ ओला मोर आंखीमन म लगाईस, अऊ मोला कहसि कि सीलोह के कुन्ड म जाके धो ले। तब मेंह उहां जाके अपन आंखीमन ला धोएव अऊ तब देखन लगेंव।”

12ओमन ओकर ले पुछनि, “ओह कहां हवय?” ओह कहसि, “मेंह नई जानव।”

फरीसीमन मनखे के चंगई के बारे म छानबीन करथें

13ओमन ओ मनखे जऊन ह पहिली अंधरा रहिसि, ओला फरीसीमन करा लाननि।

14जऊन दिन यीसू ह माटी सान के ओ मनखे के आंखीमन ला ठीक करे रहिसि, ओह बसिराम के दिन रहिसि। 15एकरसेता फरीसीमन घलो ओ मनखे ले पुछनि कि कइसने ओकर आंखीमन ठीक हो गीन। ओ मनखे ह ओमन ला कहसि, “ओह मोर आंखीमन म माटी ला सान के लगाईस, अऊ मेंह आंखीमन ला धोएव अऊ अब देखत हंव।”

16कुछ फरीसीमन कहनि, “ओ मनखे ह परमेसर करा ले नई आय हवय, काबरका ओह बसिराम दिन के कानून ला नई मानय।” पर आने मन कहनि, “एक पापी मनखे ह अइसने चमतकार के काम कइसने कर

सकथे?” अऊ ओमन के बीच म फूट पड़ गीस।

17आखरि म, ओमन फेर एक बार ओ मनखे ले पुछनि, “ओ मनखे जऊन ह तोर आंखीमन ला ठीक करसि, ओकर बारे म तेंह का कहथिस?” ओ मनखे ह कहसि, “ओह एक अगमजानी ए।”

18यहूदीमन अभी तक ले बसिवास नई करत रहनि कि ओह अंधरा रहिसि अऊ अब देखत हवय; एकरसेती ओमन ओकर दाई-ददा ला बलाके पुछनि, 19“का एह तुम्हर बेटा ए, जऊन ला तुमन कहथिव कि एह अंधरा जनमे रहिसि। पर एह कइसने होईस कि ओह अब देखत हवय?”

20ओकर दाई-ददा जबाब दीन, “हमन जानथन कि एह हमर बेटा ए, अऊ एह अंधरा जनमे रहिसि। 21पर एह अब कइसने देखे लगसि या कोन ह एकर आंखीमन ला ठीक करसि, हमन नई जानन। एकरे ले पुछव। एह लइका नो हय; एह अपन बारे म खुद बताही।” 22ओकर दाई-ददा ए बात एकर खातरि कहनि, काबरकि ओमन यहूदीमन ले डर्रावत रहनि; यहूदीमन पहिली ले ठान ले रहनि कि यदि कोनो यीसू ला मसीह मान लीही, त ओला सभा घर ले नकार दयि जाही। 23एकरसेती ओकर दाई-ददा कहनि, “एह लइका नो हय; एकरे ले पुछव।”

24तब ओमन दूसर बार ओ मनखे ला बलाईन जऊन ह पहिली अंधरा रहिसि, अऊ ओला कहनि, “परमेसर के महिमा कर। हमन जानथन कि ओ मनखे (यीसू) ह पापी ए।”

25ओह जबाब दीस, “ओह पापी ए या नो हय, मेंह नई जानंव। पर मेंह एक बात ला जानथंव कि मेंह अंधरा रहेंव, पर अब देखत हंव।”

26तब ओमन ओकर ले पुछनि, “ओह तोर संग का करसि? ओह तोर आंखीमन ला कइसने ठीक करसि?”

27ओह जबाब दीस, “मेंह तुमन ला पहलिच बता डारे हवंव अऊ तुमन नई सुनेव। तुमन एला फेर काबर सुने चाहत हव? का तुमन घलो ओकर चेला बने बर चाहत हव?”

28तब ओमन ओला दबकारके कहनि, “तेंह ओकर चेला अस। हमन तो मूसा के चेला अन। 29हमन जानथन कि परमेसर ह मूसा ले गोठियाईस, पर ओ मनखे (यीसू) के बारे म हमन ए घलो नई जानन कि ओह कहां के अय।”

30ओ मनखे ह जबाब दीस, “एह अचम्भो के बात ए। तुमन नई जानव कि ओह कहां के अय, जबकि ओह मोर आंखीमन ला ठीक कर दे हवय। 31हमन जानथन कि परमेसर ह पापीमन के नई सुनय, पर जऊन मनखे ह परमेसर के भक्ती करथे अऊ ओकर ईछा के मुताबकि चलथे, परमेसर ह ओकर सुनथे। 32संसार के सुरू ले लेके आज तक, ए कभू सुने म नई आईस कि कोनो जनम के अंधरा मनखे के आंखीमन ला ठीक करसि। 33यदि ए मनखे ह परमेसर करा ले नई आय होतसि, त ओह कुछ नई कर सकतसि।”

34ओमन ओला कहनि, “तेंह तो पूरा पाप म जनमे हवस, अऊ तेंह हमन ला का सखिथस।” अऊ ओमन ओला सभा घर ले बाहरि नकार दीन।

आतमकि अंधरापन

35यीसू ह सुनसि कि फिरीसीमन ओ मनखे ला बाहरि नकार दे हवंय, अऊ जब ओह ओला भेंटसि त कहसि, “का तेंह मनखे के बेटा ऊपर बसिवास करथस?”

36ओ मनखे ह पुछसि, “ए महाराज, ओह कोन ए? मोला बता, ताकि मेंह ओकर ऊपर बसिवास करंव।”

37यीसू ह ओला कहसि, “तेंह ओला देख डारे हस। एह ओहीच अय, जऊन ह तोर संग गोठियावत हवय।”

38तब ओ मनखे ह कहसि, “हे परभू, मेंह बसिवास करथंव।” अऊ ओह ओकर दंडवत करसि।

39यीसू ह कहसि, “मेंह ए संसार म मनखेमन के नियाय करे बर आय हवंव, ताकि जऊन मन अंधरा अंय, ओमन देखव्य अऊ जऊन मन देखत हवंय, ओमन अंधरा हो जाव्यं।”

40कुछू फरीसीमन यीसू के संग रहनि। जब ओमन यीसू के ए गोठ ला सुननि, त ओकर ले पुछनि, “का तेंह ए कहथिस कि हमन घलो अंधरा अन?”

41यीसू ह ओमन ला कहसि, “यदा तुमन अंधरा होतेव, त तुमन पाप के दोसीदार नईं होतेव, पर जब तुमन ए कहथिव कि तुमन देख सकत हव, त तुम्हर पाप ह तुमन म बने रहथि।”

चरवाहा (गड़िया) अऊ ओकर झुंड

10 “मेंह तुमन ला सच कहत हंव कि जऊन मनखे ह दुवारी म ले होके भेड़ के कोठा म नईं आवय, पर कोनो आने कोतल ले चघके आथे, ओह चोर अऊ डाकू अय। 2जऊन मनखे ह दुवारी म ले होके भीतर जाथे, ओह अपन भेड़मन के चरवाहा अय। 3ओकर बर रखवार ह दुवारी ला खोल देथे अऊ भेड़मन ओकर अवाज ला सुनथें; अऊ ओह अपन भेड़मन ला नांव लेके बलाथे अऊ ओमन ला बाहरि ले जाथे। 4जब ओह अपन जम्मो भेड़मन ला बाहरि नकारि लेथे, तब ओह ओमन के आघू-आघू जाथे अऊ ओकर भेड़मन ओकर पाछू-पाछू चलथें, काबरका ओमन ओकर अवाज ला चनिथें। 5ओमन कोनो अनजान मनखे के पाछू नईं जावय, पर ओमन ओकर ले दूरहा भाग जाथें, काबरका ओमन अनजान मनखे के अवाज ला नईं चनिहें।” 6यीसू ह ओमन ला ए पटंतर कहसि, पर ओमन नईं समझनि कि ओह का कहत रहिसि।

7एकरसेती यीसू ह ओमन ला फेर कहसि, “मेंह तुमन ला सच कहत हंव कि भेड़मन बर मेंह दुवारी अंव। 8ओ जम्मो जऊन मन मोर पहली आईन, ओमन चोर अऊ डाकू रहनि, अऊ भेड़मन ओमन के नईं सुननि। 9दुवारी मेंह अंव, जऊन ह मोर ले होके भीतर जाही, ओह उद्धार पाही। अऊ ओह भीतर-बाहरि आय-जाय करही अऊ चारा पाही। 10चोर ह सरिपि चोरी करे बर, हतिया करे बर अऊ नास करे बर आथे, पर मेंह एकरसेती आय

हवंव, ताकि ओमन जनिगी पावय अऊ भरपूर जनिगी पावय।

11बने चरवाहा मेंह अंव। बने चरवाहा ह भेड़मन बर अपन परान देथे। 12बनहारि ह न तो चरवाहा अय अऊ न तो भेड़मन के मालकि। एकरसेती जब ओह भेड़िया ला आवत देखथे, त ओह भेड़मन ला छोड़के भाग जाथे। तब भेड़िया ह भेड़मन ऊपर झपटथे अऊ ओमन ला ततिरि-बतिरि कर देथे। 13ओ मनखे ह भाग जाथे काबरका ओह एक बनहारि ए अऊ ओला भेड़मन के कोनो फकिर नईं रहय।

14बने चरवाहा मेंह अंव; मेंह अपन भेड़मन ला जानथंव, अऊ मोर भेड़मन मोला जानथें- 15जइसने ददा ह मोला जानथे अऊ मेंह ददा ला जानथंव—अऊ मेंह भेड़मन बर अपन परान देथंव। 16मोर अऊ घलो भेड़ हवय, जऊन मन ए भेड़ के कोठा म नईं एं। मोला ओमन ला घलो लाना जरूरी ए। ओमन घलो मोर अवाज ला सुनहीं; तब एके ठन झुंड अऊ एके झन चरवाहा होही। 17मोर ददा ह मोर ले एकरसेती मया करथे, काबरका मेंह अपन परान ला देथंव कि मेंह ओला फेर लेय लेवंव। 18कोनो मोर परान नईं ले सकय; पर मेंह अपन खुद के ईछा ले एला देथंव। मोर करा ए अधकारि हवय कि मेंह अपन परान ला दे दंव अऊ ओला फेर लेय लेवंव। ए हुकूम मोला मोर ददा ले मलि हवय।”

19यीसू के ए गोठ के खातरि, यहूदीमन म फेर फूट पर गीस। 20ओमन ले कतको झन कहनि, “ओम परेत आतमा हवय अऊ ओह बइहा ए। ओकर गोठ ला काबर सुनबो?”

21पर आने मन कहनि, “एक परेत आतमा के धरे मनखे ह अइसने नईं गोठियावय। का एक परेत आतमा ह अंधरा के आंखीमन ला बने कर सकथे?”

यहूदीमन के अबसिवास

22जड़काला के समय रहय, अऊ ओ समय यरूसलेम सहर म अरपन के तहिर मनाय जावत रहय। 23यीसू ह मंदिर के इलाका म रहय अऊ ओह सुलेमान के परछी म टहलत

रहय। 24यहूदीमन ओकर चारों खूंट जुरके ओला कहनि, “तेंह कब तक हमन ला दुबिधा म रखबे? यदा तेंह मसीह अस, त हमन ला साफ-साफ बता दे।”

25यीसू ह जबाब देके कहसि, “मेंह तुमन ला बता डारे हवंव, पर तुमन बसिवास नई करव। जऊन काममन ला मेंह अपन ददा के नांव म करथंव, ओही काममन मोर गवाह हवंव, 26पर तुमन बसिवास नई करव, काबरका तुमन मोर भेड़ नो हव। 27मोर भेड़मन मोर अवाज ला सुनथें; मेंह ओमन ला जानथंव, अऊ ओमन मोर पाछू-पाछू चलथें। 28मेंह ओमन ला परमेसर के संग सदाकाल के जनिगी देखंव, अऊ ओमन कभू नास नई होहीं; अऊ ओमन ला कोनो मोर हांथ ले छीन के नई ले जा सकय। 29मोर ददा जऊन ह ओमन ला मोला दे हवय, ओह सबले बड़े अय, अऊ कोनो ओमन ला मोर ददा के हांथ ले छीन नई सकय। 30मेंह अऊ मोर ददा एकेच अन।”

31यहूदीमन यीसू ला मारे बर फेर पथरा उठाईन। 32पर यीसू ह ओमन ला कहसि, “मेंह तुमन ला ददा कोतले बहुते बने काम देखाय हवंव। एम के कोन काम के सेती तुमन मोर ऊपर पथरा फेंकथव?”

33यहूदीमन ओला ए जबाब दीन, “ए बने काम बर हमन तोला पथरा नई मारत हवन, पर परमेसर के निन्दा करे के कारन अइसने करथन, काबरका तेंह एक मनखे होके अपन-आप ला परमेसर बनावत हस।”

34यीसू ह जबाब दीस, “का तुमहर कानून म ए नई लिखे हवय, जहिं परमेसर ह कहसि, ‘तुमन ईसवर अव?’ 35ओह ओमन ला ईसवर कहसि, जेमन करा परमेसर के बचन आईस अऊ परमेसर के बचन गलत नई हो सकय। 36ओकर बारे म तुमन का कहथिव जऊन ला ददा ह अपन खुद के रूप म अलग करसि अऊ ओला संसार म पठोईस? तुमन ओकर ले कहथिव कि तेंह परमेसर के निन्दा करथस, काबरका मेंह ए कहेंव कि मेंह परमेसर के बेटा अंव। 37यदा मेंह अपन ददा के काममन ला नई करत हंव,

त मोर ऊपर बसिवास झन करव। 38पर यदा मेंह ओ काममन ला करथंव, त चाहे तुमन मोर ऊपर बसिवास झन करव, पर मोर काम ऊपर तो बसिवास करव, ताका तुमन जान सकव अऊ समझ सकव कि ददा ह मोर म हवय अऊ मेंह ददा म हवंव।” 39तब ओमन फेर यीसू ला पकड़े के कोससि करनि, पर ओह ओमन के हांथ ले बचके नकिर गीस।

40तब यीसू ह यरदन नदी के ओ पार वापसि ओ जगह म गीस, जहिं यूहन्ना ह पहिली बतसिमा देवत रहिसि। अऊ ओह उहां रूक गीस। 41बहुते मनखेमन ओकर करा आईन अऊ ओमन कह्य, “हालाका यूहन्ना ह कोनो चमतकार के काम नई देखाईस, पर जऊन बात यूहन्ना ह ए मनखे के बारे म कहसि, ओ जम्मो बात सच रहिसि।” 42अऊ उहां बहुते मनखेमन यीसू ऊपर बसिवास करनि।

लाजर के मरितू

11 लाजर नांव के एक मनखे बेमार रहय। ओह, मरयिम अऊ ओकर बहीनी मारथा के गांव बैतनयाह के रहय। 2एह ओहीच मरयिम रहिसि, जऊन ह यीसू ऊपर इतर तेल ला ढारके ओकर गोड़मन ला अपन बाल ले पोछे रहिसि; एकरे भाई लाजर ह बेमार रहय। 3एकरसेती ओ दूनों बहीनी यीसू करा ए खबर पठोईन, “हे परभू, जेकर ले तेंह मया करथस, ओह बेमार हवय।”

4जब यीसू ह एला सुनसि, त ओह कहसि, “ए बेमारी ले ओकर मरितू नई होवय। ए बेमारी ह परमेसर के महिमा खातिर अय, ताका एकर दुवारा परमेसर के बेटा के महिमा होवय।” 5यीसू ह मारथा अऊ ओकर बहीनी मरयिम, अऊ लाजर ले मया करय। 6तभो ले जब ओह सुनसि कि लाजर ह बेमार हवय, त ओह जहिं रहय, उहां दू दिन अऊ रूक गीस।

7तब ओह अपन चेलामन ला कहसि, “आवव, हमन यहूदिया प्रदेस ला वापसि चली।”

8चेलामन ओला कहनि, “हे गुरू, थोरकन देर पहिली यहूदीमन तोर ऊपर पथरा फेंके

बर चाहत रहिनि, अऊ तभो ले तेंह उहां वापसि जावत हस।”

9यीसू ह जबाब दीस, “का दिन म बारह घंटा नई होवय? यदि कोनो मनखे दिन म चल्य, त ओह ठोकर नई खावय, काबरकी ओह ए संसार के अंजोर ला देखथे। 10पर यदि कोनो मनखे रात म चलथे, त ओह ठोकर खाथे, काबरकी ओकर करा अंजोर नई रहय।”

11ए कहे के बाद, यीसू ह ए घलो कहसि, “हमर संगी लाजर ह सुत गे हवय, पर मेंह उहां ओला जगाय बर जावत हवंव।”

12ओकर चेलावन कहनि, “हे परभू, यदि ओह सुतत हवय, त ओह बने हो जाही।”

13यीसू ह ए बात लाजर के मरितू के बारे म कहत रहिसि, पर ओकर चेलावन ए समझनि की ओह नींद म सोय के बारे म कहत हवय।

14तब यीसू ह ओमन ला साफ-साफ बताईस, “लाजर ह मर गे हवय। 15तुम्हर हति म, मोला खुसी हवय की मेंह उहां नई रहंय। एकरे कारन तुमन मोर ऊपर बसिवास करे बर सखिहू। पर अब आवव, हमन ओकर करा चली।”

16तब थोमा जऊन ला ददिमुस घलो कहे जावय, अपन संगी चेलावन ला कहसि, “आवव, हमन घलो चलके ओकर संग मरन।”

यीसू ह बर्हनीमन ला सांति देखे

17जब यीसू उहां हबरसि, त ओला पता चलसि की लाजर के लास ला कबर म रखे चार दिन हो गे हवय। 18बैतनयाह गांव ह यरूसलेम सहर ले तीन किलोमीटर ले घलो कम दूरहिा म रहय। 19अऊ कतको यहूदीमन मारथा अऊ मरयिम ला ढाढ़स बंधाय बर आय रहंय, काबरकी ओ दूनों के भाई ह मर गे रहय। 20जब मारथा ह सुनसि की यीसू ह आवत हवय, त ओह ओकर ले भेंट करे बर गीस, पर मरयिम ह घरेच म बईठे रहय।

21मारथा ह यीसू ला कहसि, “हे परभू, कहूं तेंह इहां होते, त मोर भाई ह नई मरतसि।

22पर अभी घलो मेंह जानथंव कजऊन कुछू तेंह परमेसर ले मांगबे, ओह तोला दही।”

23यीसू ह ओला कहसि, “तोर भाई ह फेर जी उठही।”

24त मारथा ह कहसि, “मेंह जानथंव की आखिरी दिन म, जब जम्मो मेरे मनखेवन जी उठहीं, त ओह घलो जी उठही।”

25यीसू ह ओला कहसि, “मेंह मेरे मन ला जियाथंव अऊ जनिगी देखंव। जऊन ह मोर ऊपर बसिवास करथे, कहूं ओह मर घलो जावय, तभो ले ओह जीयत रहही, 26अऊ जऊन ह जीयथे अऊ मोर ऊपर बसिवास करथे, ओह परमेसर के संग सदाकाल तक जही। का तेंह ए बात ला बसिवास करथस?”

27मारथा ह ओला कहसि, “हां परभू, मेंह बसिवास करथंव की तेंह परमेसर के बेटा मसीह अस, जऊन ह संसार म अवइया रहिसि।” 28ए कहे के बाद, मारथा ह वापसि चल दीस अऊ अपन बर्हनी मरयिम ला बलाके चुपेचाप कहसि, “गुरूजी ह इहां हवय अऊ तोला बलावत हवय।” 29एला सुनके, मरयिम ह तुरते उठसि अऊ यीसू करा गीस। 30यीसू ह अभी तक ले गांव के भीतर नई आय रहिसि, पर ओह ओही ठऊर म रहय, जहां मारथा ह ओकर ले भेंट करे रहिसि। 31ओ यहूदी जऊन मन मरयिम के संग घर म रहिन अऊ ओला ढाढ़स देवत रहिन, जब ओमन ए देखनि की कइसने ओह तुरते उठसि अऊ बाहरि चल दीस, त ओमन ए सोचके ओकर पाछू-पाछू गीन की ओह कबर म रोये बर जावत होही।

32जब मरयिम ह ओ ठऊर म आईस जहां यीसू ह रहिसि अऊ ओला देखसि, त ओह यीसू के गोड़ खाल्हे गरिके कहसि, “हे परभू, यदि तेंह इहां होते, त मोर भाई ह नई मरतसि।” 33जब यीसू ह ओला अऊ जऊन यहूदीमन ओकर संग आय रहिन, ओमन ला घलो रोवत देखसि, त आतमा म बहुंत उदास अऊ बयाकुल होईस, 34अऊ ओह ओमन ले पुछसि, “तुमन ओला कहां रखे हवव?”

ओमन ओला कहनि, “हे परभू, चलके देख ले।”

35यीसू ह रोवन लगसि।

36तब यहूदीमन कहनि, “देखव, ओह ओकर ले कतेक मया करत रहिसि।”

37पर ओम ले कुछू मनखेमन कहनि, “एह अंधरा के आंखी ला बने करसि, पर एह का अतका नइ कर सकसि कि ए मनखे ह नइ मरतसि?”

यीसू ह लाजर ला मरे म ले जियाथे

38यीसू ह फेर बहुंत उदास होके कबर करा आईस। ओ कबर ह एक खोड़ा म रहिसि, जेकर मुंहाटी म एक ठन बड़े पथरा रखे रहय। 39यीसू ह कहसि, “पथरा ला टारव।” तब मरे मनखे के बहनी मारथा ह कहसि, “पर हे परभू, अब ओम ले बास आवत होही, काबरकी ओला कबर म रखे चार दिन हो गे हवय।”

40तब यीसू ह कहसि, “का मेंह तोला नइ कहे रहेंव कि यदि तैंह बसिवास करबे, त परमेसर के महिमा ला देखबे?”

41तब मनखेमन ओ पथरा ला टारनि अऊ यीसू ह ऊपर कोर्ता देखसि अऊ कहसि, “हे ददा, मेंह तोला धनबाद देवत हंव कि तैंह मोर पराथना ला सुन ले हवस। 42मेंह जानथंव कि तैंह हमेसा मोर पराथना ला सुनथस, पर मेंह ए बात इहां ठाढ़े मनखेमन के सेर्तकिहेंव कि ओमन बसिवास करंय कि तैंह मोला पठोय हवस।”

43ए कहे बाद, यीसू ह चचियाके कहसि, “हे लाजर, बाहरि नकिर आ।”

44जऊन ह मर गे रहय, ओह कबर ले बाहरि नकिर आईस। ओकर हांथ अऊ गोड़ मन म मलमल कपड़ा के पट्टी लपटाय रहय अऊ ओकर चेहरा म घलो एक कपड़ा लपटाय रहय। यीसू ह मनखेमन ला कहसि, “ओकर कबर के कपड़ा ला खोल देवव अऊ ओला जावन देवव।”

यीसू ला मार डारे के योजना

(मत्ती 26:1-5; मरकुस 14:1-2; लूका 22:1-

2)

45यहूदीमन ले बहुते झन जऊन मन मरयिम करा आय रहनि अऊ यीसू के ए काम ला देखनि, यीसू ऊपर बसिवास करनि। 46पर ओम ले कुछू झन फरीसीमन करा गीन अऊ यीसू ह जऊन कुछू करे रहिसि, ओमन ला बताईन। 47तब मुखिया पुरोहित अऊ फरीसी मन धरम महासभा बलाईन अऊ सभा म ओमन पुछनि, “हमन का करत हवन? इहां ए मनखे ह बहुते चमतकार के काम देखावत हवय। 48यदि हमन ओला अइसनेच छोड़ देबो, त जम्मो मनखेमन ओकर ऊपर बसिवास करे लगहीं अऊ तब रोमी मनखेमन आके हमर जगह अऊ हमर देस दूनों ला ले लहीं।”

49तब ओम ले काइफा नांव के एक झन मनखे, जऊन ह ओ बछर के महा पुरोहित रहिसि, ओमन ले कहसि, “तुमन कुछू नइ जानव। 50तुमन नइ समझत हव कि तुम्हर बर ए उचित ए कि मनखेमन खातरि एक मनखे मरय अऊ जम्मो देस ह नास झन होवय।”

51ओह ए बात ला अपन कोर्ता ले नइ कहसि, पर ओ बछर के महा पुरोहित के रूप म, ओह अगमबानी करसि कि यीसू ह यहूदी जात खातरि मरही। 52अऊ न सरिपि यहूदी जात खातरि पर परमेसर के ततिरि-बतिरि होय संतानमन खातरि घलो, कि ओमन ला संकेल के एक कर देवय। 53ओही दिन ले ओमन यीसू ला मार डारे के उपाय करे लगनि।

54एकर खातरि, यीसू ह यहूदीमन के बीच म खुले-आम आय-जाय ला बंद कर दीस, अऊ उहां ले नरिजन प्रदेश के लकठा के इफ्राईम नांव के एक गांव म चल दीस अऊ उहां अपन चेलांमन संग रहे लगसि।

55जब यहूदीमन के फसह तयार लकठा आईस, त बहुते मनखेमन देहात ले यरूसलेम सहर ला गीन, ताकि ओमन उहां अपन-आप ला फसह तहार के पहिली सुध करंय।

56ओमन यीसू ला खोजत रहंय अऊ मंदिर के अंगना म ठाढ़ होके एक-दूसर ला कहे लगनि, “तोर का बचिर ए? का ओह तहिर म नई आही?” 57पर मुखिया पुरोहित अऊ फरीसीमन ए हुकूम दे रहनि कि कहां कोनो ला ए पता चलथे की यीसू ह कहां हवय, त ओह आके बतावय ताकी ओमन यीसू ला पकड़ सकयं।

बैतनयाह गांव म यीसू के अभिसिक करे जाथे

(मत्ती 26:6-13; मरकुस 14:3-9)

12 फसह तहिर के छे दिन पहली यीसू ह बैतनयाह गांव म आईस, जहां लाजर ह रहत रहय, जऊन ला यीसू ह मरे म ले जीयाय रहिसि। 2उहां यीसू के आदर म एक भोज तयार करे गीस। मारथा ह सेवा करत रहय, अऊ लाजर ह ओमन ले एक झन रहय, जऊन ह यीसू के संग खावत रहय। 3तब मरयिम ह सुध जटामासी (गुलमेंहदी) के करीब आधा लीटर बहुत मंहगा इतर तेल लीस अऊ यीसू के गोड़मन ऊपर ढारिस, अऊ ओह ओकर गोड़मन ला अपन बाल ले पोंछिसि। ओ घर ह इतर के महक ले भर गीस।

4पर यहूदा इस्करियोती नांव के यीसू के एक चेला ह (जऊन ह पाछू ओला दगा देवइया रहय) कहसि, 5“ए इतर तेल ला बेंचके, पईसा ला गरीबमन ला काबर नई बांटे गीस? एह तीन सौ दीनार के होय रहतिसि।” 6ओह ए बात एकरसेती नई कहसि की ओह गरीबमन के फकिर करय, पर ओह एकरसेती कहसि, काबरकी ओह चोर रहिसि। ओकर करा पईसा के थैली रहय, अऊ जऊन कुछू ओम डाले जावय, ओम ले ओह नकिार लेवत रहिसि।

7यीसू ह कहसि, “ओला छोंड़ देव। ओह मोर गाड़े जाय के दिन बर इतर तेल ला लगाय हवय। 8गरीबमन तो हमेसा तुम्हर संग रहहीं, पर मेंह हमेसा तुम्हर संग नई रहंव।”

9इही बीच म, यहूदीमन के एक बड़े भीड़

ला पता चलसि की यीसू ह बैतनयाह गांव म हवय, त ओमन सरिपि ओकर खातरि ही नई, पर लाजर ला देखे बर घलो आईन, जऊन ला यीसू ह मरे म ले जीयाय रहिसि। 10तब मुखिया पुरोहितमन लाजर ला घलो मार डारे के उपाय करन लगनि। 11काबरकी ओकर खातरि कतको यहूदीमन ओमन ला छोंड़के यीसू करा जावत रहनि अऊ यीसू ऊपर बसिवास करत रहनि।

यरूसलेम म यीसू के जवई

(मत्ती 21:1-11; मरकुस 11:1-11; लूका

19:28-40)

12ओकर दूसर दिन, एक बड़े भीड़ जऊन ह तहिर मनाय बर आय रहिसि, ए सुनसि की यीसू ह यरूसलेम आवत हवय। 13त ओमन खजूर के डालीमन ला लेके ओकर ले भेंट करे बर गीन अऊ पुकार-पुकारके ए कहनि,

“परमेसर के जय हो!

धइन ए ओ, जऊन ह परभू के नांव म आथे। धइन ए, इसरायल के राजा।”

14यीसू ला एक ठन गदही के बछरू मलिसि अऊ ओह ओकर ऊपर बईठ गीस, जइसने कि परमेसर के बचन म लिखे हवय:

15“हे सयियन के बेटी,

झन डर; देख,

तोर राजा ह गदही के बछरू ऊपर बईठके आवत हवय।।”

16ओकर चेलामन पहली ए बात ला नई समझनि। पर जब यीसू के महमा होईस, त ओमन सुरता करनि की ए बातमन यीसू के बारे म लिखे गे रहिसि अऊ मनखेमन ओकर संग अइसनेच करनि।

17अऊ मनखेमन के ओ भीड़ जऊन ह यीसू के संग ओ बखत रहिसि, जब यीसू ह लाजर ला कबर म ले बलाईस अऊ ओला मरे म ले जियाईस, ओमन ए बात के गवाही देवत रहनि। 18ए खातरि, बहुते मनखेमन यीसू ले भेंट करे बर गीन, काबरकी ओमन सुने रहंय की ओह ए चमतकार के काम करे हवय।

19तब फरीसीमन एक-दूसर ले कहनि, “हमन कुछ नई कर सकथन। देखव, जम्मो संसार ह ओकर पाछू हो गे हवय।”

यीसू ह अपन मरितू के अगमबानी करथे

20जऊन मन तहिर के समय म अराधना करे बर गे रहनि, ओमन म कुछ यूनानी मनखे रहनि। 21ओमन फलिपिपुस करा आईन, जऊन ह गलील प्रदेश के बैतसैदा सहर के रहिसि, अऊ ओकर ले बनिती करनि, “हे महाराज, हमन यीसू ला देखे बर चाहथन।” 22फलिपिपुस ह जाके अन्दरियास ला कहसि, तब अन्दरियास अऊ फलिपिपुस जाके यीसू ला कहनि।

23यीसू ह कहसि, “ओ समय ह आ गे हवय, जब मनखे के बेटा के महिमा होवय। 24मेंह तुमन ला सच-सच कहथं व कि जब तक गहू के बीजा ह भुइयां म गरिके मर नई जावय, तब तक ओ बीजा ह सरिपि अकेला रहथि, पर जब एह मर जाथे, त बहुंत फर देथे। 25जऊन ह अपन परान ले मया करथे, ओह ओला गंवाही, पर जऊन ह ए संसार म अपन परान ला जादा महत्व नई देवय, ओह ओला परमेसर के संग सदाकाल के जनिगी बर बंचाके रखी। 26यदि कोनो मोर सेवा करथे, त ओह मोर पाछू जरूर हो लेवय; जहिं मेंह हवंव, उहां मोर सेवक ह घलो होही। यदि कोनो मोर सेवा करथे, त मोर ददा ह ओकर आदर करही।

27अब मोर परान ह बहुंते बियाकुल होवथे अऊ मेंह का कहंव? हे ददा, मोला ए घरी ले बंचा। पर एहीच कारन बर तो मेंह ए घरी म पहुंचे हवंव। 28हे ददा, अपन नांव के महिमा कर।”

तब स्वरग ले ए अवाज आईस, “मेंह एकर महिमा करे हवंव अऊ एकर महिमा फेर करहूं।” 29मनखेमन के जऊन भीड़ उहां ठाढ़े रहिसि, जब ओमन एला सुनि, त कहनि कि एह बादर के गरजन रहिसि, अऊ आने मन कहनि, “एक स्वरगदूत ह ओकर ले गोठयाईस।”

30यीसू ह कहसि, “ए अवाज ह मोर बर

नई, पर तुम्हर भलाई बर होईस। 31अब ए संसार के नियाय के समय ए; अब ए संसार के राजकुमार (सैतान) ला नकार दयि जाही। 32पर जब मेंह धरती ले ऊपर उठाय जाहूं, त जम्मो झन ला मेंह अपन तरफ खींच लूहूं।” 33यीसू ह ए कहे के दुवारा इसारा करसि कि ओह कोन किसिम ले मरइया रहिसि। 34भीड़ के मनखेमन कहनि, “हमन मूसा के कानून ले ए बात सुने हवन कि मसीह ह सदाकाल तक रहिही। तब तेंह कइसने कहथस कि मनखे के बेटा के ऊपर उठाय जाना जरूरी ए। ए मनखे के बेटा कोन ए?”

35तब यीसू ह ओमन ला कहसि, “अंजोर ह थोरकन समय तक तुम्हर संग म रहिही। जब तक तुम्हर करा अंजोर हवय, रेंगत रहव, नई तो अंधियार ह तुमन ला घेर लहि। जऊन ह अंधियार म रेंगथे, ओह नई जानय कि ओह कहां जावथे। 36जब तक तुम्हर करा अंजोर हवय, ओम अपन बसिवास रखव, ताकि तुमन अंजोर के संतान बन जावव।” ए कहे के बाद, यीसू ह उहां ले चल दीस अऊ अपन-आप ला ओमन ले छुपाय रखसि।

यहूदीमन के अबसिवास

37हालाकि यीसू ह बहुंते चमतकार के काम ओमन के (यहूदीमन के) आघू म करे रहिसि, तभो ले ओमन ओकर ऊपर बसिवास नई करनि। 38जेकर ले यसायाह अगमजानी के ए बचन ह पूरा होईस:

“हे परभू, हमर संदेस ऊपर कोन ह बसिवास करसि,

अऊ परभू के भुजबल ह काकर ऊपर परगट होईस?”

39एकर कारन ओमन बसिवास नई कर सकनि, काबरकि यसायाह ए घलो कहे हवय:

40“ओह (परमेसर) ओमन के आंखीमन ला अंधरा कर दे हवय,

अऊ ओमन के मन ला कठोर कर दे हवय, ताकि ओमन न तो अपन आंखी ले देख सकय,

अऊ न तो अपन मन ले समझ सकंय,
अऊ ओमन मोर तरफ नई फरिंय की
मेंह ओमन ला चंगा करंवक।”

41यसायाह ए बात एकरसेती कहसि काबरकी ओह यीसू के महिमा ला देखसि अऊ ओह ओकर बारे म गोठयाईस।

42तभो ले यहूदी अगुवा म ले बहुते झन यीसू ऊपर बसिवास करनि। पर फरीसीमन के कारन ओमन अपन बसिवास ला खुले आम नई माननि। ओमन डरत रहंय की ओमन ला यहूदीमन के सभा घर ले नकार दयि जाही। 43ओमन ला परमेसर के परसंसा करई ले मनखे के परसंसा करई जादा बने लगसि।

44तब यीसू ह चचियाके कहसि, “जऊन ह मोर ऊपर बसिवास करथे, ओह न सरिपि मोर ऊपर बसिवास करथे, पर ओह ओकर ऊपर घलो बसिवास करथे, जऊन ह मोला पठोय हवय। 45अऊ जब ओह मोला देखथे, त ओह ओला देखथे जऊन ह मोला पठोय हवय। 46मेंह संसार म अंजोर के रूप म आय हवंव, ताकी जऊन कोनो मोर ऊपर बसिवास करय, ओह अंधियार म झन रहय।

47यदी कोनो मोर बचन ला सुनथे, अऊ ओकर मुताबकि नई चलय, त मेंह ओकर नियाय नई करंव। काबरकी मेंह संसार के नियाय करे बर नई, पर संसार के उद्धार करे बर आय हवंव। 48जऊन ह मोर तरिस्कार करथे अऊ मोर बचन ला गरहन नई करय, ओकर एक नियाय करइया हवय। जऊन बचन मेंह कहे हवंव, ओहीच बचन ह आखरी दिन म ओला दोसी ठहराही। 49काबरकी मेंह अपन कोती ले कुछू नई कहेव, पर ददा जऊन ह मोला पठोय हवय, ओह खुद मोला हुकूम दे हवय की मेंह का कहंव अऊ कइसने कहंव। 50अऊ मेंह जानथंव की ओकर हुकूम ह सदाकाल के जनिगी करा ले जाथे, एकरसेती जऊन कुछू मेंह कहथिंव, ओला वइसनेच कहथिंव, जइसने ददा ह मोला कहे हवय।”

यीसू ह अपन चेलांमन के गोड़ धोथे

13 फसह तहियार के ठीक पहिली, यीसू ह जान लीस की ओकर समय ह आगे हवय, अऊ ओला ए संसार ला छोड़के ददा करा जाना हवय, त ओह अपन मनखेमन ले जऊन मन संसार म रहिनि, जइसने मया करत रहिसि, आखरी तक ओह ओमन ले वइसनेच मया करसि।

2रात के भोजन परोसे जावत रहय, अऊ सैतान ह समिोन के बेटा—यहूदा इस्करियोती ला पहिली ले उकसाय रहय की ओह यीसू ला दगा देवय। 3यीसू ह जानत रहय की ददा ह हर चीज ला ओकर हांथ म कर दे हवय, अऊ ए घलो की ओह परमेसर करा ले आय हवय अऊ परमेसर करा जावत हवय। 4एकरसेती ओह भोजन ले उठसि अऊ अपन बाहरी कपड़ा ला उतारसि अऊ अपन कनहिं म एक ठन गमछा लपेटसि। 5तब ओह एक ठन परात म पानी डारसि अऊ अपन चेलांमन के गोड़ ला धोवन लगसि, अऊ अपन कनहिं म लपेटाय गमछा ले ओमन के गोड़ ला पोंछन लगसि।

6जब ओह समिोन पतरस करा आईस, तब पतरस ह ओला कहसि, “हे परभू, का तेंह मोर गोड़ ला धोवन जावत हस?”

7यीसू ह जबाब दीस, “तेंह अभी नई समझस कि मेंह का करत हवंव, पर पाछू तेंह समझबे।”

8तब पतरस ह कहसि, “नई, मेंह तोला मोर गोड़ ला कभू धोवन नई देवंव।” ए सुनके यीसू ह कहसि, “यदी मेंह तोर गोड़ ला नई धोवंव, त मोर संग तोर कुछू संबंध नई ए।”

9समिोन पतरस ह ओला कहसि, “तब हे परभू, सरिपि मोर गोड़ ला ही नई, पर मोर हांथ अऊ मुड़ ला घलो धो दे।”

10यीसू ह ओला कहसि, “जऊन ह नहा डारे हवय, ओला सरिपि अपन गोड़ ला धोय के जरूरत होथे। ओकर जम्मो देहें ह साफ होथे। तुमन ह साफ हवव, पर तुमन म हर एक झन साफ नई ए।” 11काबरकी ओह जानत रहय की कोन ह ओला दगा देवइया

रहिसि, एकरसेती ओह कहसि, “हर एक झन साफ नई ए।”

12जब यीसू ह अपन चेलासन के गोड़ ला धो डारसि, त ओह अपन कपड़ा ला पहरिके अपन जगह म वापसि आईस अऊ तब ओह ओमन ले पुछसि, “का तुमन समझत हव कि मेंह तुम्हर बर का करेव? 13तुमन ह मोला गुरू अऊ परभू कहथिव अऊ एह सही ए, काबरकि मेंह एहीच अंव। 14जब मेंह तुम्हर परभू अऊ गुरू होके तुम्हर गोड़ ला धोएँव, तब तुमन ला घलो एक-दूसर के गोड़ धोना चाही। 15मेंह तुम्हर आधू म एक नमूना रखे हवंव कि जइसने मेंह तुम्हर बर करे हवंव, वइसनेच तुमन घलो करव। 16मेंह तुमन ला सच कहथिव कि एक सेवक ह अपन मालकि ले बड़े नई होवय, अऊ न ही पठोय गे मनखे ह अपन पठोइया ले बड़े होथे। 17अब तुमन ए बातमन ला जानथव; यदि तुमन अइसने करहू, त तुमन ला आससि मलिही।”

यीसू ह अपन संग दगाबाजी के अगमबानी करथे

(मत्ती 26:20-25; मरकुस 14:17-21; लूका 22:21-23)

18“मेंह तुमन जम्मो झन के बारे म नई कहत हंव; जऊन मन ला मेंह चुने हवंव, ओमन ला मेंह जानथव। पर एह एकरसेती होवत हवय, ताकि परमेसर के बचन ह पूरा होवय—“जऊन ह मोर रोटी खाथे, ओही ह मोर बरिध म अपन लात ला उठाईस।”

19ए बात होय के पहिली, मेंह तुमन ला अभी बता देथव, ताकि जब ए बात ह होवय, तब तुमन बसिवास करव कि मेंह ओही अंव। 20मेंह तुमन ला सच कहथंव, जऊन कोनो मोर पठोइया मनखे ला गरहन करथे, ओह मोला गरहन करथे; अऊ जऊन कोनो मोला गरहन करथे, ओह ओला गरहन करथे, जऊन ह मोला पठोय हवय।”

21ए कहे के बाद, यीसू ह आतमा म बहुंत बियाकुल होईस अऊ ए गवाही दीस, “मेंह तुमन ला सच कहथंव, तुमन ले एक झन मोला दगा दही।”

22ए सुनके, ओकर चेलासन दुबधि म पड़

गीन कि ओह काकर बारे म कहत हवय। अऊ ओमन एक-दूसर के मुहू ताके लगनि।

23ओकर चेलासन ले एक झन जऊन ला यीसू मया करय, यीसू के छाती कोतझुकके बईठे रहिसि। 24समोन पतरस ह ओ चेला कोतझुसारा करसि अऊ कहसि, “ओकर ले पुछ कि ओह काकर बारे म कहत हवय।”

25ओ चेला ह वइसनेच यीसू कोतझुकके पुछसि, “हे परभू, ओह कोन ए?”

26यीसू ह जबाब दीस, “जऊन ला मेंह ए रोटी के टुकड़ा ला बरतन म बोर के दूहू, ओहीच ह ओ मनखे अय।” तब ओह रोटी के टुकड़ा ला बोर के समोन के बेटा यहूदा इस्करियोती ला दीस। 27यहूदा के रोटी ला लेतेच ही सैतान ह ओम हमा गीस। तब यीसू ह ओला कहसि, “जऊन काम तेंह करइया हवस, ओला जल्दी कर।” 28पर उहां जतेक झन खाना खाय बर बईठे रहिनि, ओमन ले एको झन घलो नई समझनि कि यीसू ह ओला काबर ए बात कहसि। 29यहूदा करा रूपिया-पईसा के थैली के जमिमेदारी रहय, त कुछू झन ए समझनि कि यीसू ह ओला कहत होही कि जऊन कुछू के, हमन ला तहियार बर जरूरत हवय, ओला बसि ले या फेर गरीबमन ला कुछू देय दे। 30यहूदा ह रोटी ला लेके तुरते बाहरि चल दीस; अऊ ओह रतहि के बेरा रहय।

पतरस के इनकार करे के बारे म यीसू ह बताथे

(मत्ती 26:31-35; मरकुस 14:27-31; लूका 22:31-34)

31जब यहूदा इस्करियोती ह चल दीस, तब यीसू ह कहसि, “अब मनखे के बेटा के महिमा होईस अऊ ओकर दुवारा परमेसर के महिमा होईस। 32अऊ जब ओकर दुवारा परमेसर के महिमा होईस, त परमेसर ह घलो अपन म बेटा के महिमा करही अऊ तुरते ओकर महिमा करही।

33हे मोर लइकामन हो, अऊ थोरकन बेर मेंह तुम्हर संग रहिं। तुमन मोला खोजहू अऊ जइसने मेंह यहूदीमन ला कहे हवंव, वइसने अब मेंह तुमन ला घलो कहत हंव:

जहिं मेंह जावत हवंव, उहां तुमन नई आ सकव।

34 एक नवां हुकूम मेंह तुमन ला देवत हंव: एक-दूसर ले मया करव। जइसने मेंह तुमन ला मया करे हवंव, वइसने तुमन घलो एक-दूसर ले मया करव। 35 यदी तुमन एक-दूसर ले मया करहू, त एकर ले जम्मो मनखेमन जान लहीं की तुमन मोर चेला अव।”

36 समीन पतरस ह यीसू ले पुछसि, “हे परभू, तेंह कहां जावत हस?” यीसू ह जबाब दीस, “जहिं मेंह जावत हंव, उहां तेंह अभी मोर पाछू नई आ सकस, पर बाद म तेंह आबे।”

37 पतरस ह ओला कहसि, “हे परभू, अभी मेंह तोर पाछू काबर नई आ सकंव? मेंह तोर बर अपन परान ला घलो दे दूहूं।”

38 तब यीसू ह जबाब दीस, “का सही म, तेंह मोर बर अपन परान देबे? मेंह तोला सच कहथंव—एकर पहिली की कुकरा ह बासे, तेंह तीन बार मोर इनकार करबे।”

यीसू ह अपन चेलांमन ला ढाढ़स बंधाथे

14 यीसू ह कहसि, “तुम्हर हरिदय बयाकुल झन होवय। परमेसर ऊपर बसिवास करव अऊ मोर ऊपर घलो बसिवास करव। 2 मोर ददा के घर म बहुंत जगह हवय; यदी नई होतसि, त मेंह तुमन ला बता देतेंव। मेंह उहां तुम्हर बर जगह तयार करे बर जावत हंव। 3 अऊ जब मेंह जाके तुम्हर बर जगह तयार कर लूहूं, त मेंह फेर आहूं अऊ तुमन ला मोर इहां ले जाहूं ताकी जहिं में रहव उहां तुमन घलो रहव। 4 जहिं मेंह जावत हंव, तुमन ओ जगह के रसता ला जानत हव।”

यीसू ह ददा करा जाय के रसता अय

5 थोमा ह यीसू ला कहसि, “हे परभू, हमन नई जानन की तेंह कहां जावत हस, त फेर हमन रसता ला कइसने जानबो?”

6 यीसू ह ओला जबाब दीस, “रसता, सत अऊ जनिगी मेंहीच अंव। मोर बगिर कोनो ददा करा नई आ सकया। 7 यदी तुमन मोला जाने होतेव, त मोर ददा ला घलो जानतेव।

फेर अब ले तुमन ओला जानत हव अऊ ओला देखे घलो हवव।”

8 फलिपिपुस ह ओला कहसि, “हे परभू, हमन ला ददा के दरसन करा दे। हमर बर अतका ह बहुंत होही।”

9 यीसू ह जबाब दीस, “हे फलिपिपुस, मेंह अतेक दिन ले तुम्हर संग म हवंव अऊ तभो ले का तेंह मोला नई जानस? जऊन ह मोला देखसि, ओह ददा ला घलो देख डारसि। फेर तेंह कइसने कह सकथस की हमन ला ददा के दरसन करा दे। 10 का तेंह बसिवास नई करस की मेंह ददा म हवंव अऊ ददा ह मोर म हवय? जऊन बचन मेंह तुमन ला कहथिव, ओह मोर अपन कोतिले नो हय। पर ददा जऊन ह मोर म रहथि; ओह अपन काम करत हवय। 11 मोर बसिवास करव की मेंह ददा म हवंव अऊ ददा ह मोर म हवय। या फेर मोर चमतकार के काममन के सेती मोर बसिवास करव। 12 मेंह तुमन ला सच कहथंव की जऊन ह मोर ऊपर बसिवास करथे, ओह ओ काममन ला करही, जऊन ला मेंह करत हवंव। अऊ त अऊ ओह एमन ले घलो बड़े काम करही, काबरकी मेंह ददा करा जावत हंव। 13 जऊन कुछू तुमन मोर नांव म मांगहू, ओला मेंह पूरा करहूं ताकी बेटा के दुवारा ददा के महमा होवय। 14 यदी तुमन मोर नांव म मोर ले कुछू मांगहू, त मेंह ओला पूरा करहूं। 15 यदी तुमन मोर ले मया करथव, त मोर हुकूममन ला मानहू।”

यीसू ह पबतिर आतमा ला पठोय के वायदा करथे

16 “मेंह ददा ले पराथना करहूं, अऊ ओह तुमन ला एक आने मददगार दही, 17 जऊन ला सत के आतमा कहे जाथे। ओह हमेसा तुम्हर संग रहहीं। संसार ह ए मददगार ला गरहन नई कर सकय, काबरकी संसार ह न तो ओला देखे हवय अऊ न ही ओला जानय। पर तुमन ओला जानथव, काबरकी ओह तुम्हर संग रहथि अऊ तुमन म रहहीं। 18 मेंह तुमन ला अनाथ नई छोड़व; मेंह तुम्हर करा आहूं। 19 थोरकन देर अऊ हवय, तब संसार

ह मोला फेर नई देखही, पर तुमन मोला देखहू। काबरकी मेंह जीयत हंव; तुमन घलो जीयत रहिहू। 20ओ दिन तुमन जानहू की मेंह अपन ददा म हवंव, अऊ तुमन मोर म हवव, अऊ मेंह तुमन म हवंव। 21जेकर करा मोर हुकूम हवय, अऊ ओह ओमन ला मानथे, ओहीच ह मोर ले मया करथे। अऊ जऊन ह मोर ले मया करथे, ओकर ले मोर ददा ह मया करही, अऊ मेंह घलो ओकर ले मया करहूँ अऊ ओला अपन दरसन दूहूँ।”

22तब यहूदा (जऊन ह यहूदा इस्करियोती नई रहिसि) यीसू ला कहसि, “हे परभू, का बात ए की तेंह हमन ला अपन दरसन देबे, पर संसार के मनखेमन ला नई।”

23यीसू ह ओला जबाब दीस, “यदी कोनो मनखे ह मोर ले मया करथे, त ओह मोर बचन ला मानही। अऊ मोर ददा ह ओकर ले मया करही, अऊ हमन ओकर करा आबो अऊ ओकर संग रहबो। 24जऊन ह मोला मया नई करय, ओह मोर बचन ला नई मानय। ए बचन जऊन ला तुमन सुनत हव, एमन मोर नो हंय; एमन ददा के अंय, जऊन ह मोला पठोय हवय।

25तुम्हर संग रहत मेंह तुमन ला ए बात कहे हवंव। 26पर मददगार याने पबतिर आतमा जऊन ला ददा ह मोर नांव म पठोही, ओह तुमन ला जम्मो बात सिखाही अऊ ओ हर एक बात तुमन ला सुरता कराही, जऊन ला मेंह तुमन ला कहे हवंव। 27मेंह अपन सांती तुम्हर संग छोड़त हवंव; अपन सांती मेंह तुमन ला देवत हंव। मेंह तुमन ला वइसने नई देवंव जइसने संसार ह देखे। तुम्हर हरिदय बयिकुल झन होवय अऊ झन डरव।

28तुमन मोला ए कहत सुने हवव, ‘मेंह जावत हंव अऊ मेंह तुम्हर करा फेर आहूँ।’ यदी तुमन मोर ले मया करतेव, त तुमन खुस होतेव की मेंह ददा करा जावत हंव, काबरकी ददा ह मोर ले महान ए। 29ए बात होय के पहिली मेंह तुमन ला बता दे हवंव, ताकी जब ए बात होवय, त तुमन बसिवास करव। 30मेंह तुम्हर संग अऊ जादा देर तक नई गोठियावंव, काबरकी ए संसार के

राजकुमार ह आवत हवय। ओकर मोर ऊपर कोनो अधिकार नई ए।

31पर जइसने ददा ह मोला हुकूम दे हवय, वइसने मेंह करथंव, ताकी संसार ह ए जान लेवय की मेंह ददा ले मया करथंव। आवव, इहां ले चली।”

अंगूर के नार अऊ डंगालीमन

15 “सही अंगूर के नार मेंह अंव अऊ मोर ददा ह कसिन ए। 2ओ डंगाल जऊन ह मोर म हवय अऊ नई फरय, ओह ओला काट डारथे; अऊ ओ डंगाल जऊन ह फरथे, ओला ओह छांटथे, ताकी ओह अऊ फरय। 3जऊन बचन मेंह तुमन ला कहे हवंव, ओकर कारन तुमन पहिली ले सुध हो गे हवव। 4तुमन मोर म बने रहव अऊ मेंह तुमन म बने रहिहूँ। जइसने डंगाल ह यदी अंगूर के नार म बने नई रहय, त ओ डंगाल ह अपन-आप म नई फर सकय, वइसने यदी तुमन मोर म बने नई रहव, त तुमन घलो नई फर सकव।

5मेंह अंगूर के नार अंव अऊ तुमन डंगाल अव। जऊन मनखे ह मोर म बने रहथि अऊ मेंह ओम, त ओह बहुंत फरथे, काबरकी मोर ले अलग होके तुमन कुछू नई कर सकव। 6कहूँ कोनो मनखे मोर म बने नई रहय, त ओह ओ डंगाल सहीं अय, जऊन ला फटकि दिये जाथे अऊ ओह सूखा जाथे; अइसने डारामन ला मनखेमन संकेलथे अऊ आगी म झोंक के जरा देथें। 7यदी तुमन मोर म बने रहव अऊ मोर बचन ह तुमन म बने रहय, त जऊन कुछू तुमन चाहव अऊ मांगव; ओह तुमन ला दिये जाही। 8मोर ददा के महिमा इही म होथे की तुमन ह बहुंत फर लानव अऊ अपन-आप ला देखा दव की तुमन मोर चेला अव।

9जइसने ददा ह मोला मया करसि, वइसने मेंह तुमन ले मया करे हवंव। अब तुमन मोर मया म बने रहव। 10यदी तुमन मोर हुकूमन ला मानहू, त मोर मया म बने रहिहू; जइसने मेंह अपन ददा के हुकूमन ला माने हवंव अऊ ओकर मया म बने रहिथिव। 11मेंह ए बात तुमन ला ए खातिर कहे हवंव, ताकी

मोर आनंद ह तुमन म रहय अऊ तुम्हर आनंद ह पूरा हो जावय। 12मोर हुकूम ए अय: जइसने मेंह तुमन ला मया करे हवंव, वइसनेच तुमन घलो एक-दूसर ले मया करव। 13एकर ले बड़े मया अऊ काकरो नई ए की कोनो मनखे अपन संगवारीमन बर अपन परान देवय। 14जऊन हुकूम मेंह देवत हंव, ओला यदी तुमन मानव, त तुमन मोर संगवारी अव। 15अब ले मेंह तुमन ला सेवक नई कहंव, काबरकी सेवक ह नई जानय की ओकर मालकि ह का करथे। पर मेंह तुमन ला संगवारी कहे हवंव काबरकी जऊन कुछू मेंह अपन ददा ले सुनेव, ओ जम्मो बात तुमन ला बता दे हवंव। 16तुमन मोला नई चुनेव, पर मेंह तुमन ला चुने अऊ ठहराय हवंव की तुमन जावव अऊ फरव—अइसने फर जऊन ह बने रहय। तब जऊन कुछू तुमन मोर नांव म ददा ले मांगहू, ओह तुमन ला दही। 17मोर हुकूम ए अय: एक-दूसर ले मया करव।”

संसार ह चेलामन ले घनि करथे

18“यदी संसार ह तुम्हर ले घनि करथे, त ए बात ला जान लेवव की एह तुम्हर ले पहिली मोर ले घनि करसि। 19यदी तुमन संसार के होतैव, त संसार ह तुमन ला अपन समझके मया करतसि। पर तुमन संसार के नो हव, पर मेंह तुमन ला संसार म ले चुन ले हवंव। एकरसेती संसार ह तुम्हर ले घनि करथे। 20जऊन बचन मेंह तुमन ला कहे हवंव, ओला सुरता रखव: ‘एक सेवक ह अपन मालकि ले बड़े नई होवय।’ जब ओमन मोला सताईन, त तुमन ला घलो सताहीं। अऊ यदी ओमन मोर बचन ला माननि, त तुम्हर बचन ला घलो मानहीं। 21मोर नांव के सेती ओमन तुम्हर संग अइसने बरताव करहीं, काबरकी ओमन ओला नई जानय, जऊन ह मोला पठोय हवय। 22कहूं मेंह नई आतेंव अऊ ओमन ले नई गोठयितेंव, त ओमन पाप के दोसीदार नई होतनि, पर अब ओमन करा अपन पाप के कोनो बहाना नई ए। 23जऊन ह मोर ले घनि करथे, ओह मोर ददा ले घलो घनि करथे। 24ओमन पाप के

दोसीदार नई होतनि, कहूं मेंह ओमन के आघू म ओ काममन ला नई करे होतेंव, जऊन ला कोनो कभू नई करनि। पर अब ओमन ए चमतकार के काममन ला देखके घलो मोर अऊ मोर ददा दूनों ले घनि करे हवंय। 25एह एकरसेती होईस ताकी ओमन के कानून म लिखे ए बचन ह पूरा होवय: ‘ओमन मोर ले बगिर कोनो कारन के घनि करनि।’

26पर मददगार ह आही, जऊन ला मेंह ददा के इहां ले तुमन करा पठोहूं। ओह सत के आतमा ए, जऊन ह ददा म ले नकिरथे। ओह मोर बारे म गवाही दही। 27अऊ तुमन ला घलो मोर बारे म गवाही देना जरूरी ए, काबरकी तुमन सुरू ले मोर संग रहे हवव।

16 मेंह तुमन ला ए जम्मो बात एकरसेती कहे हवंव की तुम्हर बसिवास ह झन टूटय। 2ओमन तुमन ला सभा घर ले नकारि दही। अऊ ओ समय ह आवत हवय, जब तुम्हर हतिया करइया ह ए समझही की ओह परमेसर के सेवा करत हवय। 3ओमन ए काममन ला एकरसेती करहीं काबरकी ओमन न तो ददा ला जानय अऊ न ही मोला। 4पर मेंह तुमन ला ए बात एकरसेती कहेंव ताकी जब ओ समय ह आवय, त तुमन ला सुरता रहय की मेंह तुमन ला चेताय रहेंव। मेंह तुमन ला ए बात सुरू म एकरसेती नई बताएवं काबरकी मेंह तुम्हर संग म रहेंव।”

पबतिर आतमा के काम

5“अब मेंह ओकर करा जावत हंव जऊन ह मोला पठोय हवय, पर तुमन ले कोनो नई पुछत हव की मेंह कहां जावत हंव। 6मेंह तुमन ला ए बात कहेंव, एकरसेती तुम्हर हरिदय ह दुःख ले भर गे हवय। 7पर मेंह तुमन ला सच कहथंव: एह तुम्हर बर बने ए की मेंह जावथंव; काबरकी यदी मेंह नई जावंव, त मददगार ह तुम्हर करा नई आवय, पर यदी मेंह जाहूं, त मेंह ओला तुम्हर करा पठोहूं। 8अऊ जब ओह आही, त संसार के मनखेमन ला पाप अऊ धरमीपन अऊ नधाय के बारे म दोसी ठहराही। 9ओह पाप के

बारे म दोसी ठहराही, काबरकी ओमन मोर ऊपर बसिवास नई करंय। 10ओह धरमीपन के बारे म दोसी ठहराही, काबरकी मेंह ददा करा जावत हंव अऊ तुमन मोला फेर नई देखहू। 11अऊ ओह नयाय के बारे म दोसी ठहराही, काबरकी ए संसार के राजकुमार (सेतान) ला पहली ले दोसी ठहराय गे हवय।

12तुमन ला कहे बर मोर करा बहुंत कुछू हवय, पर अभी तुमन ओ बातमन ला सहन नई कर सकव। 13पर जब ओ सत के आतमा ह आही, त ओह तुमन ला सत के जम्मो बात म अगुवाई करही। ओह अपन तरफ से कुछू नई कहिही; जऊन कुछू ओह सुनही, सरिपि ओहीच बात ला कहिही, अऊ ओह तुमन ला ओ बातमन ला बताही, जऊन ह अवइया हवय। 14ओह मोर महिमा करही, काबरकी ओह मोर बातमन ला लहिी अऊ ओला तुमन ला बताही। 15जऊन कुछू ददा के अय, ओ जम्मो मोर अय। एकरसेती मेंह कहेव की आतमा ह मोर म ले लहिी अऊ ओला तुमन ला बताही।

16थोरकन देर बाद तुमन मोला नई देखहू अऊ फेर थोरकन देर बाद तुमन मोला देखहू।”

चेलामन के दुःख ह आनंद म बदल जाही

17यीसू के कुछू चेलामन एक-दूसर ले कहनि, “ओकर ए कहे के का मतलब ए—‘थोरकन देर बाद तुमन मोला नई देखहू अऊ फेर थोरकन देर बाद तुमन मोला देखहू,’ अऊ ‘काबरकी मेंह ददा करा जावत हंव।’” 18चेलामन बार-बार पुछन लगनि, “ए थोरकन देर के का मतलब ए? हमन नई समझत हवन की ओह का कहत हवय।”

19यीसू ह ए जानके की ओमन ओकर ले पुछे चाहत हवय, ओह ओमन ला कहसि, “का तुमन एक-दूसर ले पुछत हव की मोर ए कहे के का मतलब ए—थोरकन देर बाद तुमन मोला नई देखहू अऊ फेर थोरकन देर बाद तुमन मोला देखहू? 20मेंह तुमन ला सच कहथंव, तुमन रोहू अऊ बलिाप करहू, जबकी संसार ह आनंद मनाही। तुमन ला दुःख होही,

पर तुम्हर दुःख ह आनंद म बदल जाही। 21जब एक माईलोगन ह लइका जनथे, त ओला पीरा होथे काबरकी ओकर बेरा ह आ गे हवय; पर जब ओला लइका हो जाथे, त आनंद के मारे की एक लइका ह संसार म पैदा होईस, ओह पीरा ला भुला जाथे। 22एही कसिम ले, अभी तुमन ला दुःख होवथे, पर मेंह तुमन ला फेर देखहू, अऊ तुमन आनंद मनाहू, अऊ तुम्हर आनंद ला कोनो नई छीन सकही। 23ओ दिन म तुमन मोर ले कुछू नई पुछहू। मेंह तुमन ला सच-सच कहथंव, जऊन कुछू तुमन मोर नांव म मांगहू, ओ चीज ददा ह तुमन ला दिही। 24अभी तक तुमन मोर नांव म कुछू नई मांगे हवव। मांगव, त तुमन पाहू अऊ तुम्हर आनंद ह पूरा हो जाही।

25मेंह तुमन ला ए बात पटंतर म कहे हवंव, पर ओ समय ह आवत हवय, जब मेंह तुम्हर ले पटंतर म नई गोठियावंव, पर मेंह तुमन ला अपन ददा के बारे म साफ-साफ बताहू। 26ओ दिन तुमन मोर नांव म मांगहू, अऊ मेंह ए नई कहथंव की मेंह तुम्हर बर ददा ले बनिती करहू। 27ददा ह खुदे तुम्हर ले मया करथे, काबरकी तुमन मोर ले मया करे हवव अऊ बसिवास करे हवव की मेंह परमेसर करा ले आय हवंव। 28मेंह ददा म ले नकिरके संसार म आय हवंव; अऊ अब मेंह संसार ला छोड़के वापसि ददा करा जावत हंव।”

29यीसू के चेलामन कहनि, “अब तेंह साफ-साफ बगिर पटंतर के गोठियावत हस। 30अब हमन जान डारेन की तेंह जम्मो बात ला जानथस अऊ एकर जरूरत नई ए की कोनो तोर ले सवाल पुछय। एकर दुवारा हमन बसिवास करथन की तेंह परमेसर करा ले आय हवस।”

31यीसू ह ओमन ला जबाब दीस, “आखरि म तुमन बसिवास करेव। 32पर देखव, ओ बेरा ह आवत हवय अऊ आ गेलो गे हवय, जब तुमन ततिरि-बतिरि हो जाहू; हर एक ज्ञान अपन-अपन घर चल दिहीं। तुमन मोला एकदम अकेला छोड़ दहू। तभो ले मेंह

अकेला नई अंव, काबरकी मोर ददा ह मोर संग हवय।

33मेंह तुमन ला ए बात एकरसेती कहेंव ताकी तुमन ला मोर म सांती मिलिय। ए संसार म तुमन तकलीफ पाहू। पर हिम्मत रखव! मेंह संसार ऊपर जय पाय हवंव।”

यीसू ह अपन बर पराथना करथे

17 ए कहे के बाद, यीसू ह स्वरग कोती देखसि अऊ कहींसि,

“हे ददा, बेरा ह आ गे हवय। अपन बेटा के महिमा कर की तोर बेटा ह घलो तोर महिमा करय। 2तेंह ओला जम्मो मनखेमन ऊपर अधिकार दे हवस, ताकी जऊन मन ला तेंह ओला दे हवस, ओ जम्मो झन ला ओह तोर संग सदाकाल के जनिगी देवय। 3अऊ तोर संग सदाकाल के जनिगी ए अय की ओमन सरिपि तोला एकेच सत परमेसर के रूप म जानय अऊ यीसू मसीह ला जानय, जऊन ला तेंह धरती म पठोय हवस। 4जऊन काम तेंह मोला करे बर दे रहय, ओला पूरा करके, मेंह धरती म तोर महिमा करे हवंव। 5अब, हे ददा, अपन आघू म मोर महिमा कर—ओ महिमा जऊन ह संसार ला बनाय के पहिली मोर, तोर संग रहिसि।”

यीसू ह अपन चेलांमन बर पराथना करथे

6“मेंह तोर नांव ला ओमन ऊपर परगट करे हवंव, जऊन मन ला तेंह मोला संसार म ले देय हवस। ओमन तोर रहिनि; तेंह ओमन ला मोला देय हवस अऊ ओमन तोर बचन ला माने हवय। 7अब ओमन जानथें की जऊन कुछू तेंह मोला देय हवस, ओ जम्मो चीज तोर करा ले आय हवय। 8काबरकी मेंह ओमन ला ओ बचन दे हवंव, जऊन ला तेंह मोला देय रहय, अऊ ओमन ओला गरहन करे हवय। ओमन सही म जान गीन की मेंह तोर करा ले आय हवंव अऊ ओमन बसिवास कर ले हवय की

तेंह मोला पठोय हवस। 9मेंह ओमन बर पराथना करत हंव। मेंह संसार बर नई, पर ओमन बर पराथना करत हंव, जऊन मन ला तेंह मोला देय हवस, काबरकी ओमन तोर अय। 10जऊन कुछू मोर करा हवय, ओ जम्मो ह तोर अय अऊ जऊन कुछू तोर करा हवय, ओ जम्मो ह मोर अय। अऊ एमन के दुवारा मोर महिमा होथे। 11मेंह अब संसार म नई रहंव, पर ओमन संसार म रहिहीं, अऊ मेंह तोर करा आवत हवंव। हे पबतिर ददा, ओमन ला जतन के रख—अपन ओ नांव के सकृती के दुवारा, जऊन नांव ला तेंह मोला देय हवस, ताकी ओमन एक हो जावय जइसने हमन एक हवन। 12जब मेंह ओमन के संग रहंव, त ओ नांव के दुवारा जऊन ला तेंह मोला देय हवस, ओमन ला जतन के रखेंव अऊ ओमन ला सही सलामत रखेंव। ओम ले कोनो नई गंवाईन, सरिपि बर्नास के बेटा के छोड़, ताकी परमेसर के बचन ह पूरा होवय।

13अब मेंह तोर करा आवत हंव, पर मेंह ए बातमन ला संसार म रहत कहथंव, ताकी ओमन मोर आनंद ले पूरा भर जावय। 14मेंह ओमन ला तोर बचन देय हवंव अऊ संसार ह ओमन ले नफरत करसि, काबरकी ओमन संसार के नो हय, जइसने मेंह संसार के नो हंव। 15मेंह ए पराथना नई करत हंव की तेंह ओमन ला संसार ले नकारि ले, पर ए पराथना करत हंव की ओमन ला तेंह सैतान ले बचाय रख। 16ओमन संसार के नो हय, जइसने मेंह संसार के नो हंव। 17सत के दुवारा ओमन ला पबतिर कर, तोर बचन ह सत ए। 18जइसने तेंह मोला संसार म पठोय, जइसने मेंह ओमन ला संसार म पठोय हवंव। 19ओमन खातिर मेंह अपन-आप ला तोर हांथ म अरपन करथंव ताकी ओमन घलो सही म अपन-आप ला तोला अरपन करय।”

यीसू ह जम्मो बसिवासीमन बर पराथना करथे

20“मेंह सरिपि ओमन खातरि ही पराथना नई करथंव, पर ओमन बर घलो जऊन मन ओमन के संदेस के कारन मोर ऊपर बसिवास करथें, 21की ओ जम्मो इन एक हो जावयं। हे ददा, जइसने तेंह मोर म हवस अऊ मेंह तोर म हवंव। वइसने ओमन घलो हमर म होवयं ताकी संसार ह बसिवास करय की तेंह मोला पठोय हवस। 22जऊन महिमा तेंह मोला देय हवस, ओही महिमा मेंह ओमन ला देय हवंव, ताकी ओमन एक हो जावयं, जइसने हमन एक हवन। 23मेंह ओमन म अऊ तेंह मोर म, की ओमन पूरा-पूरी एक हो जावयं, ताकी संसार ह जानय की तेंह मोला पठोय हवस अऊ जइसने तेंह मोर ले मया करे हवस, वइसने ओमन ले घलो मया करय।

24हे ददा मेंह चाहथंव की जऊन मन ला तेंह मोला देय हवस, ओमन मोर संग उहां रहय, जहिं में हवंव अऊ ओमन मोर ओ महिमा ला देखय, जऊन ला तेंह मोला देय हवस, काबरकी तेंह संसार के रचे के पहिली मोर ले मया करय।”

25“हे धरमी ददा, संसार ह तोला नई जानय, पर मेंह तोला जानथंव, अऊ ओमन जानथें की तेंह मोला पठोय हवस। 26मेंह ओमन ला तोर बारे म बताय हवंव अऊ बतावत रहिहूं, ताकी तोर ओ मया जऊन ह मोर बर हवय, ओमन म घलो रहय अऊ मेंह खुद ओमन म रहंव।”

यीसू ह बंदी बनाय जाथे

(मत्ती 26:47-56; मरकुस 14:43-50; लूका 22:47-53)

18 ए पराथना करे के बाद, यीसू ह अपन चेलांमन संग कदिरोन घाटी के ओ पार गीस। उहां एक जैतून के बारी रहय, जहिं ओ अऊ ओकर चेलांमन गीन।

2यहूदा जऊन ह यीसू ला धोखा दीस, ओ

ठऊर ला जानत रहिसि, काबरकी यीसू ह हमेसा अपन चेलांमन संग उहां मलिय। 3तब यहूदा ह कुछू सैनिक अऊ मुखिया पुरोहित अऊ फरीसी मन के कुछू अधिकारीमन ला लेके उहां आईस। ओमन मसाल, लालटनि अऊ हथियार धरे रहय।

4यीसू ह ओ जम्मो बात ला जानत रहिसि, जऊन ह ओकर संग होवइया रहय; एकरसेती ओह नकिरसि अऊ ओमन ले पुछिसि, “तुमन कोन ला खोजत हव?”

5ओमन जबाब दीन, “नासरत के यीसू ला।”

यीसू ह कहिसि, “ओह में अंव।” अऊ दगाबाज यहूदा ह उहां ओमन संग ठाढ़े रहय।

6जब यीसू ह ओमन ला ए कहिसि की “ओह में अंव”, त ओमन पाछू घुंचनि अऊ भुइयां म गरि पड़नि।

7यीसू ह ओमन ले फेर पुछिसि, “तुमन कोन ला खोजत हव?”

अऊ ओमन कहनि, “नासरत के यीसू ला।”

8यीसू ह जबाब दीस, “मेंह तुमन ला कह चुके हंव की ओह में अंव। यदा तुमन मोला खोजत हव, त ए मनखेमन ला जावन दव।”

9ए बात एकरसेती होईस, ताकी यीसू के कहय ए बचन ह पूरा होवय, “जऊन मन ला तेंह मोला देय रहय, ओम ले मेंह एको इन ला घलो नई गवांय।”

10तब समीन पतरस जेकर करा एक ठन तलवार रहय, ओह ओला खींचके नकिरसि अऊ महा पुरोहित के सेवक ऊपर चलाके ओकर जेवनी कान ला काट दीस। ओ सेवक के नांव मलखुस रहिसि।

11यीसू ह पतरस ला हुकूम दीस, “अपन तलवार ला मयान म रख। जऊन दुःख के कटोरा ददा ह मोला दे हवय; का ओला मेंह नई पीयंवन?”

यीसू ला हन्ना करा ले जाथें

12तब सैनिकमन अऊ ओमन के कप्तान अऊ यहूदी अधिकारीमन यीसू ला पकड़के बांध लीन, 13अऊ ओमन ओला पहिली

हन्नास करा लाननि, जऊन ह ओ साल के महा पुरोहित काइफा के ससुर रहिसि। 14एह ओहीच काइफा रहिसि, जऊन ह यहूदीमन ला ए सलाह देय रहिसि—बने होतसि यदा एक आदमी ह जम्मो मनखेमन खातरि मरय।

पतरस ह यीसू के इनकार करथे

(मत्ती 26:69-70; मरकुस 14:66-68; लूका

22:55-57)

15समिोन पतरस अऊ एक आने चेला यीसू के पाछू-पाछू गीन। काबरकिए चेला ह महा पुरोहित के पहिचान के रहिसि; एकरसेर्ता ओह घलो महा पुरोहित के अंगना म जाय सकसि, जहिं यीसू ला ले गे रहिन। 16पर पतरस ह बाहरि कपाट करा ठाढ़े रहय। तब ओ आने चेला जऊन ह महा पुरोहित के पहिचान के रहिसि, बाहरि आईस अऊ दुवार-पालनि टूरी ला कहकि पतरस ला भीतर ले गीस।

17ओ दुवार-पालनि टूरी ह पतरस ले पुछसि, “का तेंह घलो त ए मनखे के चेलामन ले एक झन नो हस?”

ओह कहसि, “मेंह नो हंव।”

18जाड़ के मारे सेवक अऊ अधिकारीमन कोयला ला जलाय रहय अऊ ओकर चारों खूंट ठाढ़ होके आगी तापत रहय। पतरस ह घलो ओमन के संग उहां ठाढ़ होके आगी तापत रहय।

महा पुरोहित ह यीसू ले पुछताछ करथे

(मत्ती 26:59-66; मरकुस 14:55-64; लूका

22:66-71)

19इही बीच म महा पुरोहित ह यीसू ले ओकर चेला अऊ ओकर उपदेस के बारे म पुछताछ करसि।

20यीसू ह जबाब दीस, “मेंह मनखेमन ले खुले-आम बात करे हवंव। मेंह सभा घर अऊ मंदिर के अंगना म, जहिं जम्मो यहूदीमन जुरथें, हमेसा उपदेस देय हवंव। मेंह गुपत म कुछू नई कहेंव। 21तेंह मोर ले काबर पुछताछ करथस? ओमन ले पुछ जऊन मन मोर बात ला सुने हवंव। ओमन जानत हवंव कि मेंह का कहे हवंव।”

22जब यीसू ह ए कहसि, त ओकर लकठा म ठाढ़े एक अधिकारी ह यीसू ला एक थपरा मारसि अऊ कहसि, “महा पुरोहित ला का तेंह अइसने जबाब देथस?”

23यीसू ह ओला जबाब दीस, “यदा मेंह कुछू गलत बात कहे हवंव, त ओला बता। पर यदा मेंह सच बात कहे हवंव, त तेंह मोला काबर मारथस?” 24तब हन्नास ह यीसू ला वइसनेच बंधे-बंधाय महा पुरोहित काइफा करा पठो दीस।

पतरस ह दूसरा अऊ तीसरा बार यीसू के इनकार करथे

(मत्ती 26:71-75; मरकुस 14:69-72; लूका

22:58-62)

25समिोन पतरस ह उहां अंगना म ठाढ़े आगी तापत रहय, तब मनखेमन ओकर ले पुछनि, “का तेंह घलो ओकर चेलामन ले एक झन अस?” ओह इनकार करके कहसि, “मेंह नो हंव।”

26महा पुरोहित के एक सेवक जऊन ह ओ मनखे के रसितेदार रहिसि, जेकर कान ला पतरस काट दे रहिसि, पतरस ले पुछसि, “का मेंह तोला ओकर संग जैतून के बारी म नई देखे रहेव?” 27पतरस ह फेर इनकार करसि अऊ तुरते कुकरा ह बाससि।

पीलातुस के आघू म यीसू

(मत्ती 27:1-2, 11-14; मरकुस 15:1-5; लूका

23:1-5)

28तब यहूदीमन यीसू ला काइफा करा ले रोमी राजपाल के महल म ले गीन अऊ ओह बड़े बहिनियां के बेरा रहिसि। यहूदीमन खुद महल के भीतर नई गीन ताका ओमन असुध झन होवय अऊ फसह के भोज खा सकयत। 29एकरसेर्ता पीलातुस ह बाहरि ओमन करा आईस अऊ पुछसि, “ए मनखे के ऊपर तुमन का दोस लगाथव?”

30ओमन जबाब दीन, “यदा ए मनखे ह अपराधी नई होतसि, त एला हमन तोर हांथ म नई सकपतेन।”

31पीलातुस ह ओमन ला कहसि, “तुमन

एला ले जावव अऊ अपन खुद के कानून के मुताबकि ओकर नयाय करव।”

यहूदीमन ओला कहनि, “हमन करा कोनो ला मरितू दंड देय के अधिकार नइ ए।” 32 एह एकरसेत जौईस ताका यीसू के ओ बचन ह पूरा होवय, जऊन ला यीसू ह इसारा म कहे रहिसि की ओकर मरितू कइसने होही।

33 तब पीलातुस फेर महल भीतर गीस अऊ यीसू ला बलाके ओकर ले पुछसि, “का तेंह यहूदीमन के राजा अस?”

34 यीसू ह जबाब देके कहसि, “का तेंह ए बात अपन कोर्ता ले कहथस की आने मन तोला ए बात मोर बारे म कहे हवय?”

35 पीलातुस ह जबाब दीस, “का तेंह सोचथस की मेंह एक यहूदी अंव? तोर खुद के मनखे अऊ मुखिया पुरोहित मन तोला मोर हांथ म सऊपे हवय। तेंह का करे हस?”

36 यीसू ह कहसि, “मोर राज ह ए संसार के नो हय। यदी मोर राज ह ए संसार के होतसि, त मोर सेवकमन लड़तनि अऊ मेंह यहूदीमन के हांथ म नई सऊपे जातेंव; पर मोर राज ह इहां के नो हय।”

37 पीलातुस ह यीसू ला कहसि, “त का तेंह एक राजा अस?”

यीसू ह जबाब दीस, “तेंह सही कहथस की मेंह एक राजा अंव। मेंह ए खातर जनम लेव अऊ ए खातर संसार म आयेंव की सत के गवाही देवव। जऊन ह सत के तरफ हवय, ओह मोर बात ला सुनथे।”

38 पीलातुस ह ओकर ले पुछसि, “का ह सत ए?” ए कहकि पीलातुस ह बाहरि यहूदीमन करा फेर गीस अऊ ओमन ला कहसि, “मेंह ओम कोनो दोस नई पायेंव।

39 पर एह तुम्हर रवाज ए की फसह के तहियार के बेरा म मेंह तुम्हर खातरि एक कैदी ला छोड़ देवव। का तुमन चाहथव की मेंह यहूदीमन के राजा ला छोड़ देवव?”

40 ओमन चचियाके कहनि, “नइ, ए मनखे ला नई, पर हमर बर बरब्बा ला छोड़ दे।” अऊ बरब्बा ह एक डाकू रहिसि।

यीसू ला कुरस म चघाके मरितू दंड दयि जाथे

19 तब पीलातुस ह यीसू ला लेके ओला कोर्रा म पीटवाईस। 2 सैनिकमन कांटा के एक मुकुट बनाईन अऊ ओला यीसू के मुड़ ऊपर रखनि अऊ ओमन यीसू ला बैजनी कपड़ा पहिराईन, 3 अऊ ओमन ओकर करा बार-बार आके कहनि, “हे यहूदीमन के राजा, जोहार लागी।” अऊ ओमन यीसू के मुहू म थपरा मारनि।

4 पीलातुस ह फेर महल ले बाहरि आईस अऊ यहूदीमन ला कहसि, “देखव, मेंह ओला तुम्हर करा बाहरि लानत हंव ताकी तुमन जान लेवव की मेंह ओम कुछू दोस नई पायेंव।” 5 जब यीसू ह कांटा के मुकुट अऊ बैजनी कपड़ा पहिरि बाहरि आईस, त पीलातुस ह ओमन ला कहसि, “देखव, एह ओ मनखे ए।”

6 जब मुखिया पुरोहित अऊ अधिकारीमन यीसू ला देखनि, त ओमन चचियाके कहनि, “एला कुरस ऊपर चघावव। एला कुरस ऊपर चघावव।” पर पीलातुस ह जबाब दीस, “तुमन एला ले जावव अऊ कुरस म चघावव। काबरकी मेंह एम कुछू दोस नई पायेंव।”

7 यहूदीमन जोर देके कहनि, “हमर एक ठन कानून हवय अऊ ओ कानून के मुताबकि एकर मरना जरूरी ए, काबरकी एह अपन-आप ला ‘परमेसर के बेटा’ कहथि।”

8 जब पीलातुस ह ए बात ला सुनसि, त ओह अऊ डर्रा गीस, 9 अऊ ओह वापसि महल भीतर जाके यीसू ले पुछसि, “तेंह कहां के अस?” पर यीसू ह ओला कोनो जबाब नई दीस। 10 तब पीलातुस ह कहसि, “का तेंह मोर ले बात नई करस? का तेंह नई जानस की मोर करा तोला छोड़ देय के या फेर तोला कुरस ऊपर चघाय के अधिकार हवय?”

11 यीसू ह जबाब दीस, “यदी तोला ऊपर (परमेसर) ले अधिकार नई दयि जातसि, त मोर ऊपर तोर कुछू अधिकार नई होतसि। एकरसेत जऊन ह मोला तोर हांथ म सऊपे हवय, ओह बड़े पाप के दोसीदार ए।”

12 एकर बाद पीलातुस ह यीसू ला छोड़ देय के कोससि करसि, पर यहूदीमन बार-बार चचियाके कहनि, “यदी तेंह ए मनखे ला छोड़ देबे, त तेंह महाराजा के संगवारी नो हस। जऊन ह अपन-आप ला राजा कहथि, ओह महाराजा के बरिधी होथे।”

13 जब पीलातुस ए बात ला सुनसि, त ओह यीसू ला बाहरि लानसि अऊ नयाय के आसन म बईठसि, जऊन ह पथरा के चंडरा नांव के जगह म रहय अऊ ओ चंडरा ला इबरानी भासा म गबूबता कहे जावय। 14 एह फसह तिहार के तयारी के दिन रहय अऊ दिन के करीब बारह बजे के समय रहय।

पीलातुस ह यहूदीमन ला कहसि, “देखव, एही अय तुम्हर राजा।”

15 पर ओमन चचियाके कहनि, “एला ले जावव। एला ले जावव। एला कुरस ऊपर चघावव।”

पीलातुस ह ओमन ले पुछसि, “का मेंह तुम्हर राजा ला कुरस ऊपर चघा देवंव?”

मुखिया पुरोहितमन जबाब दीन, “महाराजा के छोड़ हमर अऊ कोनो राजा नई ए।”

16 आखरि म पीलातुस ह यीसू ला कुरस ऊपर चघाय बर ओमन के हाथ म सऊंप दीस।

यीसू के कुरस ऊपर चघाय जवई

(मत्ती 27:32-44; मरकुस 15:21-32; लूका 23:26-43)

17 तब ओमन यीसू ला ले गीन अऊ ओह अपन कुरस ला बोहके बाहरि नकिरसि अऊ ओ ठऊर म गीस, जऊन ला खोपड़ी के ठऊर कहे जावय अऊ इबरानी भासा म एला गुलगुता घलो कहे जाथे। 18 उहां ओमन यीसू ला कुरस ऊपर चघा दीन, अऊ ओकर संग अऊ दू इन ला घलो कुरस ऊपर चघाईन, एक इन ला ओकर जेवनी कोर्ता अऊ दूसर इन ला ओकर डेरी कोर्ता, अऊ यीसू ला मांझा म।

19 पीलातुस ह एक सूचना लिखके कुरस ऊपर टंगवा दे रहय, जेम ए लिखाय रहय, “नासरत के यीसू, यहूदीमन के राजा।”

20 बहुते यहूदीमन ए सूचना ला पढ़नि, काबरकी जऊन ठऊर म यीसू ला कुरस ऊपर चघाय गे रहिसि, ओह सहर के लकठा म रहय अऊ ओ सूचना ह इबरानी, लतीनी अऊ यूनानी भासा म लिखाय रहय। 21 तब यहूदीमन के मुखिया पुरोहितमन पीलातुस ला कहनि, “यहूदीमन के राजा इन लिख, पर ए लिख की ए मनखे ह कहसि, ‘मेंह यहूदीमन के राजा अंव।’”

22 पीलातुस ह जबाब दीस, “मेंह जऊन लिख देंव त लिख देंव।”

23 जब सैनिकमन यीसू ला कुरस ऊपर चघा लीन, त ओमन ओकर कपड़ामन लेके चार बांटा करनि अऊ हर एक ह एक बांटा लीस। ओमन ओकर कुरता (चोंगा) ला घलो लीन, पर ओ कुरता ह सथि नई गे रहय। एह ऊपर ले तरी तक एक ठन करके बूने गे रहय।

24 एकरसेर्ता ओमन एक-दूसर ला कहनि, “एला हमन नई चीरन, पर एकर बर लाटरी नकिारबो अऊ देखबो की एह कोन ला मलिही।” एह एकरसेर्ता होईस ताकिपरमेसर के बचन म लिखे बात ह पूरा होवय—“ओमन मोर कपड़ा ला आपस म बांट लीन अऊ मोर कुरता बर लाटरी नकिारनि।” एकरसेर्ता सैनिकमन अइसने करनि।

25 यीसू के कुरस के लकठा म ओकर दाई, अऊ ओकर दाई के बहिनी, क्लोपास के घरवाली मरयिम, अऊ मरयिम मगदलानी ठाढ़े रहनि। 26 जब यीसू ह अपन दाई अऊ ओ चेला ला जेकर ले ओह मया करय, तीर म ठाढ़े देखसि, त ओह अपन दाई ला कहसि, “हे नारी, एह तोर बेटा ए।” 27 अऊ ओ चेला ले कहसि, “एह तोर दाई ए।” ओही बखत ले ओ चेला ह यीसू के दाई ला अपन घर ले गीस।

यीसू के मरितू

(मत्ती 27:45-56; मरकुस 15:33-41; लूका 23:44-49)

28 एकर बाद, यीसू ह ए जानके की अब जम्मो बात पूरा हो चुके हवय, परमेसर के बचन ला पूरा करे बर कहसि, “मेंह पीयासन

हंव।” 29उहां सरिका ले भरे एक ठन बरतन रखे रहय। ओमन पनसोखवा रबर ला ओ सरिका म भगोईन अऊ ओ पनसोखवा रबर ला एक ठन जूफा के डंडी म रखके यीसू के मुहूँ ले लगाईन। 30जब यीसू ह ओ सरिका ला ले लीस, त कहसि, “पूरा होईस।” अऊ ओह मुड़ ला नवांके अपन परान तथिग दीस।

31ओह तथिगरी के दिन रहिसि, अऊ ओकर दूसर दिन बसिस बसिराम के दिन रहिसि। यहूदीमन नई चाहत रहिन कि ओमन के देहेमन बसिराम के दिन कुरस म टंगे रह्य, एकरसेती ओमन पीलातुस ले बनिती करन कि कुरस म चघाय मनखेमन के गोड़ ला टोर दयि जावय अऊ ओमन के देहें ला कुरस ले उतार दयि जावय। 32एकरसेती सैनकिमन आईन अऊ ओमन पहिली मनखे के गोड़ ला टोरनि, अऊ तब दूसर मनखे के, जऊन मन कि यीसू संग कुरस म चघाय गे रहनि। 33पर जब ओमन यीसू करा आईन अऊ देखनि कि ओह मर गे हवय, त ओमन ओकर गोड़ ला नई टोरनि। 34पर एक सैनकि ह यीसू के पंजरा म बरछी मारसि अऊ तुरते ओम ले लहू अऊ पानी नकिरसि। 35जऊन मनखे ह एला देखसि ओह गवाही दे हवय अऊ ओकर गवाही ह सच ए। ओह जानथे कि ओह सच कहत हवय, अऊ ओह गवाही देथे ताकि तुमन घलो बसिवास करव। 36ए बात एकरसेती होईस ताकि परमेसर के ए बचन ह पूरा होवय: “ओकर एको ठन हाड़ा टोरे नई जाही।” 37अऊ परमेसर के बचन म फेर आने जगह ए लिखे हवय, “ओमन ओला देखही, जऊन ला ओमन छेदे हवय।”

यीसू के लास ला कबर म रखे जाथे

(मत्ती 27:57-61; मरकुस 15:42-47; लूका 23:50-56)

38एकर बाद अरमतथिग सहर के यूसुफ जऊन ह यीसू के चेला रहिसि, पर ओह ए बात ला यहूदीमन के डर के मारे छुपा के रखे रहय। ओह पीलातुस ले बनिती करसि, “का मेंह यीसू के लास ला ले जावंव?” पीलातुस

ह ओकर बनिती ला मान लीस। तब यूसुफ ह आईस अऊ यीसू के लास ला ले गीस। 39नकिदेमुस जऊन ह पहिली यीसू करा एक बार रतहिा आय रहिसि, करीब तैंतसि किलो गंधरस अऊ एलवा के मसाला लीस अऊ ओह घलो यूसुफ के संग गीस। 40ओमन यीसू के लास ला लीन अऊ यहूदीमन के दफनाय के रीती के मुताबकि लास म ओ मसाला ला लगाईन अऊ ओला मलमल के कपड़ा म लपेटनि। 41जऊन जगह म यीसू ला कुरस ऊपर चघाय गे रहिसि, उहां एक ठन बारी रहिसि अऊ ओ बारी म एक ठन नवां कबर रहिसि, जऊन म कभू कोनो ला नई रखे गे रहिसि। 42काबरकि ओह यहूदीमन के तथिगरी के दिन रहय अऊ ओ कबर ह लकठा म रहय; एकरसेती ओमन यीसू के लास ला उहां रखनि।

खाली कबर

(मत्ती 28:1-8; मरकुस 16:1-8; लूका 24:1-

12)

20 हप्ता के पहिली दिन बड़े बहिनयां जब अंधियार रहय, मरयिम मगदलनी कबर करा आईस अऊ देखसि कि पथरा ह कबर के मुंहाटी ले हट गे हवय। 2तब ओह दऊड़त समिोन पतरस अऊ ओ आने चेला करा गीस, जेकर ले यीसू मया रखय, अऊ ओमन ला कहसि, “ओमन परभू ला कबर म ले नकिारके ले गे हवय अऊ हमन नई जानन कि ओमन ओला कहां रखे हवय।”

3तब पतरस अऊ ओ आने चेला घर ले नकिरनि अऊ कबर कोती गीन। 4ओ दूनों दऊड़त गीन, पर ओ आने चेला ह तेज दऊड़के पतरस ले आघू नकिर गीस अऊ कबर करा पहिली हबरसि। 5नहिरके ओह कबर म देखसि, त मलमल के कपड़ा ह उहां माढ़े रहय, पर ओह कबर के भीतर नई गीस। 6तब ओकर पाछू पतरस ह आईस अऊ कबर के भीतर गीस। ओह देखसि कि मलमल के कपड़ा ह उहां माढ़े रहय। 7ओह ए घलो देखसि कि ओ गमछा जऊन ला यीसू

के मुड़ म लपेटे गे रहिसि, मलमल के कपड़ा ले अलग मोड़ाके माढ़े रहय। 8तब ओ आने चेला घलो जऊन ह कबर करा पहिली हबरे रहिसि, भीतर गीस अऊ देखके बसिवास करसि। 9ओमन अभी तक ले परमेसर के बचन ले नई समझे रहिनि कि यीसू ह मरे म ले जरूर जी उठही।

मरयिम मगदलानी ला यीसू के दरसन

(मत्ती 28:9-10; मरकुस 16:9-11)

10तब चेलामन वापसि अपन-अपन घर चल दीन। 11पर मरयिम ह रोवत कबर के बाहरि ठाढ़े रहिसि; अऊ रोवत-रोवत ओह कबर के भीतर ला देखे बर झुकसि, 12अऊ ओह देखसि कि दू झन स्वरगदूत सफेद कपड़ा पहिरे उहां बईठे रह्य, जहिं यीसू के देहें रखाय रहिसि; एक झन मुड़ कोर्ता बईठे रहय अऊ दूसर झन गोड़ कोर्ता।

13स्वरगदूतमन ओकर ले पुछनि, “हे नारी, तेंह काबर रोवत हवस?” ओह कहसि, “ओमन मोर परभू ला ले गे हव्यं, अऊ मेंह नई जानव कि ओमन ओला कहां रखे हव्यं।” 14ए कहिके, ओह पाछू मुड़सि अऊ यीसू ला उहां ठाढ़े देखसि, पर ओह नई चनिहिसि कि एह यीसू अय।

15यीसू ह ओला कहसि, “हे नारी, तेंह काबर रोवत हवस? तेंह कोन ला खोजत हवस?” ओह यीसू ला माली समझके कहसि, “हे महाराज, कहूं तेंह ओला ले गे हवस, त मोला बता कि तेंह ओला कहां रखे हवस। मेंह ओला ले जाहूं।”

16यीसू ह ओला कहसि, “मरयिम!” मरयिम ह यीसू कोर्ता मुड़सि, अऊ चचियाके इबरानी भासा म कहसि, “रब्बूनी!” (जेकर मतलब होथे—“गुरुजी”)।

17यीसू ह ओला कहसि, “मोला झन छू, काबरकि मेंह अभी तक ले ददा करा ऊपर नई गे हवंव। पर मोर भाईमन करा जा अऊ ओमन ला बता कि मेंह ओकर करा ऊपर जावत हंव, जऊन ह मोर ददा अऊ तुम्हर ददा, मोर परमेसर अऊ तुम्हर परमेसर ए।”

18मरयिम मगदलानी चेलामन करा जाके

कहसि, “मेंह परभू ला देखे हवंव, अऊ ओह मोर ले ए बात कहे हवय।”

यीसू ह अपन चेलामन ला दरसन देखे

(मत्ती 28:16-20; मरकुस 16:14-18; लूका

24:36-49)

19ओहीच दिन जऊन ह हप्ता के पहिली दिन रहिसि, संझा के बेरा, जब चेलामन एक जगह म जुरे रह्य अऊ कपाटमन भीतर ले यहूदीमन के डर के मोरे बंद रह्य, तब यीसू ह आईस अऊ ओमन के बीच म ठाढ़ होके ओमन ला कहसि, “तुमन ला सांति मिलिय।” 20ए कहे के बाद यीसू ह अपन हांथ अऊ अपन पंजरा ओमन ला देखाईस। तब चेलामन परभू ला देखके बहुत खुस होईन।

21यीसू ह ओमन ला फेर कहसि, “तुमन ला सांति मिलिय। जइसने ददा ह मोला पठोय हवय, वइसने मेंह तुमन ला पठोवत हवंव।”

22ए कहिके, ओह ओमन ऊपर फूंकसि अऊ कहसि, “पबतिर आतमा ला गरहन करव।

23यदितुमन काकरो पाप छेमा करहू, त ओ पाप छेमा हो जाही; यदितुमन ओमन के पाप छेमा नई करहू, त ओमन छेमा नई होव्यं।”

थोमा ला यीसू के दरसन

24जब यीसू ह आईस, त ओ बखत बारहों चेलामन ले एक झन थोमा ह (जऊन ला ददिमुस घलो कहे जावय) ओमन संग नई रहिसि। 25जब आने चेलामन ओला कहनि, “हमन परभू ला देखे हवन।” त ओह ओमन ला कहसि, “जब तक मेंह ओकर हांथमन म खीला के चनिहांमन ला नई देख लूहूं अऊ जहिं खीलामन रहिनि, उहां अपन अंगरी नई डार लूहूं अऊ ओकर पंजरा म अपन हांथ नई डार लूहूं, तब तक मेंह बसिवास नई करंव।”

26एक हप्ता के बाद यीसू के चेलामन फेर घर म रहिनि अऊ थोमा ह ओमन के संग म रहिसि। कपाटमन भीतर ले बंद रह्य, तब फेर यीसू ह आईस अऊ ओमन के बीच म ठाढ़ होके कहसि, “तुमन ला सांति मिलिय।” 27तब ओह थोमा ला कहसि, “तोर अंगरी ला इहां रख अऊ मोर हांथमन ला देख।

अपन हांथ ला लानके मोर पंजरा म रख अऊ अबसिवासी नई, पर बसिवासी बन।”

28ए सुनके थोमा ह ओला कहसि, “हे मोर परभू, हे मोर परमेसर!”

29तब यीसू ह कहसि, “तेंह मोला देखे के बाद बसिवास करय; पर धड़न अंय ओमन, जऊन मन मोला बगिर देखे बसिवास करथें।”

30यीसू ह कतको अचरज के चन्हां अपन चेलावन के आधू म देखाईस, जऊन मन ए कतिब म नई लिखे गे हवय। 31पर एमन एकरसेता लिखे गे हवय कि तुमन बसिवास करव कि यीसू ह परमेसर के बेटा—मसीह अय, अऊ ए बसिवास करे के दुवारा तुमन ओकर नांव म जनिगी पावव।

झील के तीर म चेलावन ला यीसू के दरसन

21 एकर बाद यीसू ह अपन चेलावन ला तबिरियास झील के तीर म दरसन दीस अऊ ओह ए कसिम ले दरसन दीस: 2समिोन पतरस, थोमा (जऊन ला ददिमुस कहे जाथे), नतनएल जऊन ह गलील प्रदेश के काना सहर के रहिसि, जबदी के बेटामन अऊ दू झन आने चेलावन जुरे रहिन। 3समिोन पतरस ह ओमन ला कहसि, “मेंह मछरी मारे बर जावत हंव,” त ओमन कहनि, “हमन घलो तोर संग जाबो।” ओमन जाके डोंगा म चघनि, पर ओ रतहि ओमन एको ठन मछरी नई पाईन।

4बड़े बहिनियां, यीसू ह आके झील के तीर म ठाढ़ हो गीस, पर चेलावन नई चन्हनि कि ओह यीसू अय।

5तब यीसू ह ओमन ला कहसि, “ए संगवारी हो, का तुम्हर करा कोनो मछरी हवय?” ओमन ह जबाब दीन, “नई।”

6ओह ओमन ला कहसि, “डोंगा के जेवनी कोर्ता अपन जाल ला डारव, त तुमन ला मलिही।” जब ओमन जाल ला डारनि, त जाल म अतेक मछरी फंस गीन कि ओमन जाल ला खींच नई सकनि।

7तब ओ चेला जेकर ले यीसू मया करय, पतरस ला कहसि, “एह तो परभू अय।” जब समिोन पतरस सुनसि कि एह परभू अय,

त ओह अपन कपड़ा ला अपन कनहां म लपेटसि (काबरकी ओह कुछू नई पहिर रहिसि) अऊ पानी म कूद पड़सि। 8पर आने चेलावन मछरी ले भरे जाल ला खींचत डोंगा म आईन। ओमन पानी के तीर ले जादा दूरहि म नई रहिन। तीर ह करीब एक सौ मीटर दूरहि रहय। 9जब ओमन भुइयां म उतरनि, त देखनि कि उहां कोयला के आगी बरत रहय अऊ ओमन मछरी रखाय रहय अऊ उहां कुछू रोटी घलो रहय।

10यीसू ह ओमन ला कहसि, “जऊन मछरीमन ला तुमन अभी पकड़े हवव, ओमन के कुछू लानव।”

11समिोन पतरस ह डोंगा ऊपर चघसि अऊ मछरी ले भरे जाल ला पानी के तीर म खींचके लानसि; जाल म 153 बड़े मछरी रहय, पर अतकी जादा मछरी होय के बावजूद जाल ह नई चीराईस। 12यीसू ह ओमन ला कहसि, “आवव अऊ नास्ता करव।” कोनो चेला ला हमिमत नई होईस कि ओकर ले ए पुछय कि तेंह कोन अस? काबरकी ओमन जानत रहिन कि एह परभू अय। 13यीसू ह आईस अऊ रोटी ला लेके ओमन ला दीस, अऊ ओह मछरी ला घलो अइसनेच करसि। 14एह तीसरा बार रहिसि, जब यीसू ह मरे म ले जी उठे के बाद अपन चेलावन ला दरसन दीस।

यीसू अऊ पतरस

15जब ओमन खा डारनि, त यीसू ह समिोन पतरस ला कहसि, “हे समिोन, यूहन्ना के बेटा! का तेंह एमन ले बढ़के मोला मया करथस?”

ओह कहसि, “हव परभू, तेंह त जानथस कि मेंह तोर ले मया करथंव।” यीसू ह कहसि, “मोर मेढ़ा-पीलामन ला चरा।”

16यीसू ह ओला फेर कहसि, “हे समिोन, यूहन्ना के बेटा! का तेंह मोला मया करथस?”

ओह जबाब दीस, “हव परभू, तेंह जानथस कि मेंह तोर ले मया करथंव।”

यीसू ह कहसि, “मोर भेड़मन के रखवारी कर।”

17यीसू ह तीसरा बार ओला कहसि, “हे समीन, यूहन्ना के बेटा! का तेंह मोला मया करथस?”

पतरस ह उदास हो गीस काबरकी यीसू ह तीसरा बार ओकर ले पुछसि—“का तेंह मोला मया करथस?” पतरस ह कहसि, “हे परभू, तेंह तो जम्मो बात ला जानथस; तेंह जानथस कि मेंह तोला मया करथंव।”

यीसू ह कहसि, “मोर भेड़मन ला चरा। 18मेंह तोला सच कहथंव कि जब तेंह जवान रहय, त खुद कपड़ा पहरिके जहिं चाहय, उहां चल देवत रहय; पर जब तेंह डोकरा हो जाबे, तब तेंह अपन हांथ ला लमाबे, अऊ कोनो आने मनखे तोला कपड़ा पहिराही, अऊ जहिं तेंह जाय बर नई चाहबे, उहां ओह तोला ले जाही।” 19ए कहे के दुवारा यीसू ह इसारा कर दीस कि पतरस ह कोन किसिम के मरितू ले परमेसर के महिमा करही। तब यीसू ह ओला कहसि, “मोर पाछू हो ले।”

20पतरस ह मुड़के देखसि कि ओ चेला ह ओमन के पाछू-पाछू आवत रहय, जेकर ले यीसू मया करय, अऊ एह ओही चेला रहसि, जऊन ह खाना खाय के बखत यीसू कोर्ता नहिके पुछे रहसि, “हे परभू, ओह कोन ए, जऊन ह तोला दगा दही?” 21जब पतरस ह ओला देखसि, त ओह यीसू ले पुछसि, “हे परभू, एकर का होही?”

22यीसू ह जबाब दीस, “यदि में चाहंव, त ओह मोर लहुंठके आवत तक जीयत रहही, एकर ले तोला का? तेंह मोर पाछू हो ले।” 23एकरसेर्ता भाईमन के बीच म ए अफवाह फइल गीस कि ए चेला ह नई मरही। पर यीसू ह ए नई कहे रहसि कि ओह नई मरही; ओह सरिपि ए कहसि, “यदि में चाहंव, त ओह मोर लहुंठके आवत तक जीयत रहही, एकर ले तोला का?”

24एह ओही चेला अय, जऊन ह ए बातमन के गवाही देवत हवय अऊ जऊन ह ए बातमन ला लिखे हवय, अऊ हमन जानत हवन कि ओकर गवाही ह सच ए।

25यीसू ह आने अऊ कतको काम करसि, यदि ओम के हर एक बात ला लिखे जातसि,

त मेंह सोचथंव कि जऊन कतिबमन लिखे जातनि, ओमन ला रखे बर जम्मो संसार म जगह नई होतसि।

a 51 “मनखे के बेटा”—यीसू ह ए सबद के उपयोग अपन-आप बर करथे। b 13 “फसह तहियार”—मसिर देस ले छुटकारा पाय के सुरता म यहूदीमन फसह तहियार मनाथें। c 2 “भेड़ फेरका”—यरूसलेम सहर के चारों कोर्ता दिवाल म कतको फेरकामन रहनि; ओम के भेड़ फेरका ह संभवत: ओ बजार के लकठा म रहसि, जहिं भेड़ अऊ आने पसुमन के बिकिरी करे जावय। “बेतहसदा”—ए सबद के मतलब होथे “दया के घर”। d 7 “दीनार”—एक दीनार याने एक दिन के बनी। e 31 “मन्ना”—एक बसिस किसिम के खाय के चीज (अनाज) परमेसर ह दीस। नरिगमन 16:4; भजन संहिता 78:24 f 2 कुंदरा के तहियार के समय यहूदीमन अंगूर अऊ जैतून के फसल कटई के आनंद मनावय। ए समय ओमन कुंदरामन म रहय, जऊन मन पान वाले रूख के डारामन ले बनाय गे रहय। ओमन अइसने ए बात के सुरता म करय कि ओमन के पुरखामन चालीस साल तक सुनसान जगह म कइसने रहत रहनि (लैब्यवस्था 23:33-36; 39-43; ब्यवस्थाबिस्न 16:13-16)। g 17 “कबर”—ओ समय कबर ह गुफा सहीं रहय, जहिं मुरदा ला रखके ओकर दुवारी ला एक बड़े पथरा के दुवारा बंद कर दथि जावय। h 5 तीन सौ दीनार ह करीब एक साल के बनी के बरोबर रहसि। i 15 “सयोन के बेटी”—एह एक मुहावरा अय, जेकर उपयोग “यरूसलेम के मनखेमन” या “इसरायली मनखेमन” बर होथे (जकरयाह 9:9)। j 36 मत्ती 5:14; इफसीमन 5:8-9; 1थिसलुनीकीमन 5:5 म यीसू ह अपन चेलामन ला संसार के अंजोर कहथि। k 40 यसायाह 6:9-10 म लिखे ए बचन ला यीसू ह मत्ती 13:15; मरकुस 4:12; लूका 8:10 म घलो

कहथि। प्रेरतिमन के काम 28:26-27 ला
 घलो देखव। 1 6 यीसू ह ओ रसता अय
 (यूहन्ना 10:9), जऊन ह परमेसर करा ले
 जाथे। m 8 पबतिर आतमा ह साबति
 करही कि ओमन गलत अंय। n 11
 “जऊन दुःख के कटोरा ददा ह दे हवय”
 के मतलब अय—यीसू ह संसार के पाप
 खातरि दुःख उठाही अऊ कुरस ऊपर मर
 जाही। ñ 28 यहूदीमन के रवाज के
 मुताबकि, यदि ओमन कोनो आनजात
 के घर म जाथें, त ओमन असुध हो
 जाथें। o 31 बसिराम दनि के पहिली दनि

ला तयारी के दनि कहे जावय, काबरकि
 ओ दनि, बसिराम दनि बर तयारी करे
 जावय। ओ साल यहूदीमन के फसह तहार
 ह बसिराम दनि म पड़त रहिसि, एकर
 खातरि ओला “बसिस बसिराम के दनि”
 कहे गीस। p 24 “ददिमुस” के मतलब
 “जुड़वां” घलो होथे। q 1 “तबिरियास
 झील” ला “गलील के झील” घलो कहे
 जाथे।